पंचम अध्याय

विश्लेषण एवं निर्विचार
पंचम अध्याय
विश्लेषण एवं निर्वाचन

5.1.0 मूलिका

5.2.0 शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता का प्रभाव
  5.2.1 शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध
  5.2.2 शैक्षिक उपलब्धि एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध
  5.2.3 सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध

5.3.0 विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में भिन्नता
  5.3.1 सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में लिंग के आधार पर भिन्नता
  5.3.2 सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में परिवार के आधार पर भिन्नता
  5.3.3 सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में शैक्षिक स्तर के आधार पर भिन्नता
  5.3.4 परिपक्वता के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता

5.4.0 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता का प्रतिक्रियात्मक प्रभाव
पंचम अध्याय
विश्लेषण एवं निर्वचन

5.1.0 भूमिका
किसी भी अनुसंधान में व्याख्यात प्रक्रिया के मूल्यांकन उपरांत प्रामाणिक आक्षेपों को प्रमाणित करने के प्रक्रियाओं में परिवर्तन करने के प्रक्रियाओं में परिवर्तन करने के पक्ष पर उन्हें प्रामाणित प्रक्रियाओं के क्रम में आयोजित कर सांख्यिकीय उपग्रह के लिए तैयार करते हैं जिससे कि जब निश्चय निकले तो उस निश्चय के आधार पर प्रस्तावित प्रक्रियाओं का सत्यापन भारत की जा सके।

इस अध्याय में प्रामाणिक आक्षेपों के बारे में प्रामाणिक उपग्रह उपरांत उनका विश्लेषण एवं निर्वचन प्रस्तुत किया गया है। इसके अंतर्गत विश्लेषण को तीन भागों में विभक्त किया गया है: प्राथमिक भाग में विवरणियों की शैक्षिक उपलब्धि के साथ सामाजिक एवं सांबंधित परिषद के सहसंबंध का विश्लेषण एवं निर्वचन प्रस्तुत किया गया है। दूसरे भाग में सामाजिक एवं सांबंधित परिषद के सहसंबंध, परिस्थितियों, और समस्या के आधार पर भूमिका तथा परिषद के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि में भूमिका का विश्लेषण एवं निर्वचन प्रस्तुत किया गया है। तीसरे भाग में शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधित परिषद के प्रति ज्ञान प्रभाव से संबंधित विश्लेषण एवं निर्वचन को प्रस्तुत किया गया है।

5.2.0. शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधित परिषद का प्रभाव:-

वर्तमान अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य विवरणियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधित परिषद के प्रभाव का अध्ययन करना है। इस उद्देश्य की पूरीत हेतु सहसंबंध गुणों की गणना की गई है।

सामाजिक एवं सांबंधित परिषद मापनों से प्रामाणिक आक्षेपों को प्रमाणित करने के सहसंबंध की गणना की गई। यह गणना तीन भागों में आयोजित है।

5.2.1. शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक परिषद के मध्य सहसंबंध :-

"विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रति और सामाजिक परिषद के मध्य उच्च घनत्व सहसंबंध प्राप्त होगा:-

उपरोक्त परिषद के प्रभाव हेतु क्रम 11 वो एवं 12 वो के कला, वाणिज्य और विद्यालय संस्थाओं के (1) शहरी छात्र (2) ग्रामीण छात्र (3) ग्रामीण छात्राएं और (4) ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा वृद्धि ग्रामीण का सामाजिक परिषद के विभिन्त
घटकों तथा कुल सामाजिक परिपक्वता के साथ सहसंबंध गुणांक की गणना की गई। इस परिकल्पना
को H₁,1 से H₁,12 तक उपरिकल्पनाओं में बांटा गया है।

H₁,1- कला संकाय के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों
एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा
सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल सामाजिक परिपक्वता के सहसंबंध को (तालिका-
5.1, 5.2) में दर्शाया गया है।

तालिका 5.1.

कला संकाय (XI) के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के
प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>बैंकिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर बैंकिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी **</td>
<td>.3266</td>
<td>.1310</td>
<td>-.0713</td>
<td>.1449</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी **</td>
<td>.2727</td>
<td>.0687</td>
<td>.0340</td>
<td>.1655</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत **</td>
<td>.0513</td>
<td>.0391</td>
<td>.2050</td>
<td>.1024</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित **</td>
<td>.0848</td>
<td>.0909</td>
<td>.1928</td>
<td>.0266</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान **</td>
<td>.4472 **</td>
<td>.3116</td>
<td>.4476 **</td>
<td>.3951 **</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.2620</td>
<td>.2503</td>
<td>.3119</td>
<td>.5407 **</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तक **</td>
<td>.3524 **</td>
<td>.1709</td>
<td>.2172</td>
<td>.3455 **</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P<0.01, **P<0.05, NS

तालिका 5.1 से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के बिज्ञान, सामाजिक बिज्ञान
और कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध
है। बिज्ञान (r = .3951, df = 28 P<0.05), कुल प्रामाण्य (r = .3455, df = 28 P<0.05)
ये दोनों .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते है। जबकि सामाजिक बिज्ञान (r = .5407, df = 28 P<0.01)
.01 स्तर पर सार्थक सहसंबंध प्रदर्शित करता है। अतः यह
उपरिकल्पना बिज्ञान, सामाजिक बिज्ञान और कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत है।
### तालिका 5.2.

कला संकाय (XII) के श्राद्धि छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.2539 •</td>
<td>.4615 *</td>
<td>.4464 **</td>
<td>.4383 **</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.2404 •</td>
<td>.4895 *</td>
<td>.3980 **</td>
<td>.3843 **</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.0759 •</td>
<td>.3144 •</td>
<td>.313 •</td>
<td>.2180 •</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>.3120 •</td>
<td>.3343 •</td>
<td>.2909 •</td>
<td>.3776 **</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>भूगोल</td>
<td>.1313 •</td>
<td>.448 •</td>
<td>.1246 •</td>
<td>.1990 •</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.3582 **</td>
<td>.5050 *</td>
<td>.4239 **</td>
<td>.5165 *</td>
</tr>
</tbody>
</table>

• *P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 की छात्रों के हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = +.4383, df = 28 P <.05), अंग्रेजी (r = +.3843, df = 28 P <.05), राजनीति विज्ञान (r = +.3776, df = 28 P <.05) वे तीनों .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। जबकि कुल प्रामाण्य के लिए (r = +.5165) प्राम हुआ जो फिर .01 स्तर पर सार्थक है। अतः इन उपरस्तिक्यमा हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वोक्त हुई।
ह्र 2 - कला संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रमाणों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय के ग्रामीण छात्रों की विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल सामाजिक परिपक्वता के सहसंबंध को तालिका (5.3, 5.4) में दर्शाया गया है।

तालिका 5.3

कला संकाय (XI) ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रमाणों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.0582 **</td>
<td>.3108 **</td>
<td>.3561 **</td>
<td>.3844 **</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेज़ी</td>
<td>.0664 **</td>
<td>.3193 **</td>
<td>.0458 **</td>
<td>.1571 **</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.0138 **</td>
<td>.2141 **</td>
<td>-.1387 **</td>
<td>-.0612 **</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.1562 **</td>
<td>.3950 **</td>
<td>.2277 **</td>
<td>.2763 **</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.2578 **</td>
<td>.3292 **</td>
<td>.3375 **</td>
<td>.2163 **</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>-.0626 **</td>
<td>-.1709 **</td>
<td>-.0802</td>
<td>-.218 **</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.1833 **</td>
<td>.3964 **</td>
<td>.2222 **</td>
<td>.3025 **</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों की हिन्दी की शैक्षिक उपलब्धि का कुल सामाजिक परिपक्वता के साथ सहसंबंध \( r = +.3844 \), \( df = 28 \) प्राप्त हुआ जो कि .05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपरोक्तपन्ना हिन्दी के अतिक्रित अन्य विषयों के लिए अस्वीकृत है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैयक्तिक पर्यायता</th>
<th>अंतर वैयक्तिक पर्यायता</th>
<th>सामाजिक पर्यायता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.2002 *</td>
<td>.4943 *</td>
<td>.2405 *</td>
<td>.4050 **</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेज़ी</td>
<td>.0668 *</td>
<td>.3300 *</td>
<td>.2898 *</td>
<td>.2877 *</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.1521 *</td>
<td>.2995 *</td>
<td>.3130 *</td>
<td>.3207 *</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>.2638 *</td>
<td>.2486 *</td>
<td>.3058 *</td>
<td>.3446 **</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>भूगोल</td>
<td>.1858 *</td>
<td>.2552 *</td>
<td>.2474 *</td>
<td>.2823 *</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.2067 *</td>
<td>.3523 **</td>
<td>.3135 *</td>
<td>.3676 **</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P < 0.01, ** P < 0.05, • NS

कक्षा 12 वी के छात्रों के हिंदी, राजनीति विज्ञान और कुल प्रामांक की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = +.4050, df = 28, P < .05), राजनीति विज्ञान (r = +.3446, df = 28, P < .05), कुल प्रामांक (r = +.3678, df = 28, P < .05) ये तीनों .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा 12 वी के हिंदी, राजनीति विज्ञान और कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत है।
Hr.3 - कला संकाय के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.5, 5.6) में दर्शाया गया है।

तालिका 5.5
कला संकाय (XI) के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रं.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.4137**</td>
<td>.3174</td>
<td>.0051</td>
<td>-.1135</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-.2872</td>
<td>-.4054</td>
<td>-.0419</td>
<td>-.0304</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.2504</td>
<td>-.2545</td>
<td>.1343</td>
<td>-.2651</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.4590*</td>
<td>.3058</td>
<td>-.0194</td>
<td>-.1335</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.3002</td>
<td>.3388</td>
<td>.2892</td>
<td>-.1743</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.1375</td>
<td>.0980</td>
<td>-.0866</td>
<td>-.0047</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तकों</td>
<td>.3072</td>
<td>.2448</td>
<td>.1450</td>
<td>-.1817</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, * NS

तालिका में स्पष्ट है कि कक्षा II वी की छात्राओं के किसी भी विषय की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं हैं। अतः कक्षा II वी के लिए यह उपर्युक्त सिद्धांत पूर्वत: अस्तित्वकृत हुई।
## तालिका 5.6

कला संकाय (XII) के शहरी छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>स्रोत</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. हिन्दी</td>
<td>.0056 •</td>
<td>.1057 •</td>
<td>-.0602 •</td>
<td>-.0001 •</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2. अंग्रेजी</td>
<td>.0705 •</td>
<td>.2834 •</td>
<td>.1383 •</td>
<td>.1803 •</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3. इतिहास</td>
<td>.2869 •</td>
<td>.4718 •</td>
<td>.1831 •</td>
<td>.3588 **</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4. राजनीति</td>
<td>.2682 •</td>
<td>.4177 **</td>
<td>.1464 •</td>
<td>.3314 •</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5. भूगोल</td>
<td>.3214 •</td>
<td>.4562 •</td>
<td>.3284 •</td>
<td>.4294 **</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6. कुल प्रामाण्य</td>
<td>.2348 •</td>
<td>.4788 •</td>
<td>.2071 •</td>
<td>.3505 **</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

* • P < 0.01. ** P < 0.05. NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 की छात्राओं के इतिहास, भूगोल और कुल प्रामाण्य का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। इतिहास (r = +.3588, df = 28, P < .05), भूगोल (r = +.4294, df = 28, P < .05), कुल प्रामाण्य (r = +.3505, df = 28, P < .05) ये तीनों 0.5 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपपरिकल्पना इतिहास, भूगोल और कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत है।
Hr.4 - कला संकाय के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धारामयक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय की ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.7, 5.8) में दर्शाया गया है।

तालिका 5.7
कला संकाय (XI) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों के शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि (XI)</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अन्तर वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>हिंदी</td>
<td>-2.588*</td>
<td>.0146</td>
<td>.2785*</td>
<td>.0805*</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-1.844*</td>
<td>-.0611*</td>
<td>.2576*</td>
<td>-.2069*</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>-.2881*</td>
<td>-.1248*</td>
<td>-.0344*</td>
<td>-.3491*</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>गणित</td>
<td>-.3097*</td>
<td>-.1851*</td>
<td>-.3427*</td>
<td>.0772*</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>-.2006*</td>
<td>-.2154*</td>
<td>.1008*</td>
<td>-.2043*</td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>-.3203*</td>
<td>.0636*</td>
<td>-.0702*</td>
<td>-.2767*</td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>-.4043*</td>
<td>-.0886*</td>
<td>.0800*</td>
<td>-.4904*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 की ग्रामीण छात्राओं के किसी भी विषय तथा कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है।

अतः यह उपर्युक्ततम पूर्णतः अस्थायी हुई।
### तालिका 5.8

कला संकाय (XII) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों के शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.1205•</td>
<td>.0146•</td>
<td>.0217•</td>
<td>.0513•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-.1910•</td>
<td>-.0593•</td>
<td>-.0396•</td>
<td>-.0736•</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.0163•</td>
<td>.0660•</td>
<td>-.3579•</td>
<td>-.1917•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>-.0706•</td>
<td>-.0781•</td>
<td>-.1906•</td>
<td>-.0815•</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>भूगोल</td>
<td>.1959•</td>
<td>.0555•</td>
<td>-.3336•</td>
<td>.0209•</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.0932•</td>
<td>.0435•</td>
<td>-.3128•</td>
<td>-.0652•</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के ग्रामीण छात्राओं के किसी भी विषय तथा कुल प्राप्तकों की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक घनात्मक सहसंबंध नहीं है।

अतः यह उपरोक्त पूर्वांक: अस्वीकृत हुई।

**Hr1.5**- वाणिज्य संकाय के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च घनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

वाणिज्य संकाय के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटनाओं तथा कुल सामाजिक परिपक्वता के सहसंबंध को तालिका 5.9, 5.10 में दराया गया है।

122
वाणिज्य सशक्ति (XI) के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>वैष्णविक पति</td>
</tr>
<tr>
<td>XI</td>
<td>अंतर वैष्णविक पति</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>सामाजिक पति</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| 1.  | हिंदी  | .4688 * | .5819 * | .3579 ** | .5445 * |
| 2.  | अंग्रेज़ी  | .3282 • | .5715 * | .2624 • | .4629 * |
| 3.  | संस्कृत  | -.1197 • | .1478 • | .1716 • | .0939 • |
| 4.  | गणित  | .2217 • | .4514 * | .3323 • | .4044 ** |
| 5.  | विज्ञान  | .4241 ** | .6301 * | .4968 * | .5958 * |
| 6.  | सामाजिक विज्ञान  | .4393 ** | .2723 • | .0661 • | .3570 ** |
| 7.  | कुल प्राप्तांक  | .3282 • | .5715 * | .2624 • | .4629 * |

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से दिखाया गया है कि कक्षा 11 की छात्रों के हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कुल प्रामाण्य का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = +.5445, df = 28, P < .01), अंग्रेज़ी (r = +.4629, df = 28, P < .01), विज्ञान (r = +.5958, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण्य (r = +.4629, df = 28, P < .01) शही राशि .01 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। जबकि गणित (r = +.4044, df = 28, P < .05), सामाजिक विज्ञान (r = +.3570, df = 28, P < .05) दोनों .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपरोक्त लन्हक कक्षा 11 की के लिए संस्कृत के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत है।
वाणिज्य संकाय (XII) के शही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर-वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>हिंदी</td>
<td>0.1804 •</td>
<td>0.0257 •</td>
<td>-0.1334 •</td>
<td>0.1875 •</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.0702 •</td>
<td>-0.2185 •</td>
<td>-0.0557 •</td>
<td>-0.0788 •</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>वा. के मूल तत्त्व</td>
<td>0.0986 •</td>
<td>-0.0592 •</td>
<td>-0.0857 •</td>
<td>0.0389 •</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>या. अंग्रेजी व दूःखार्म</td>
<td>0.0202 •</td>
<td>0.0810 •</td>
<td>0.2247 •</td>
<td>0.1319 •</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>व्य.अर्थशास्त्र</td>
<td>0.2107 •</td>
<td>0.0472 •</td>
<td>0.0238 •</td>
<td>0.1606 •</td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>कुल प्रामाण्यों</td>
<td>0.2040 •</td>
<td>-0.0518 •</td>
<td>0.1786 •</td>
<td>0.1920 •</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से लघुत्र है कि कक्षा 12 वीं के छात्रों के किसी भी विषय तथा कुल प्रामाण्य का सामाजिक परिपक्वता के साथ सर्वाधिक धनात्मक संबंध नहीं है। अतः इस उपर्युक्तलोकन कक्षा 12 वीं के लिए पूर्णत: अस्वीकृत हुई।

Hr.6 - वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक परिपक्वता के सहसंबंध को तालिका (5.11, 5.12) में वर्णित किया गया है।
तालिका 5.11

वाणिज्य संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>वैश्विक परामता</th>
<th>अंतर वैश्विक परामता</th>
<th>सामाजिक परामता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. हिंदी</td>
<td>0.1998*</td>
<td>0.1423</td>
<td>-0.3089*</td>
<td>0.3650**</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2. अंग्रेजी</td>
<td>0.0254</td>
<td>0.0796</td>
<td>-0.4089</td>
<td>0.1895</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3. संस्कृत</td>
<td>0.0390</td>
<td>0.0660</td>
<td>-0.4325</td>
<td>0.4448*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4. गणित</td>
<td>-0.0099*</td>
<td>0.1548*</td>
<td>-0.1872*</td>
<td>0.2099</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5. विज्ञान</td>
<td>-0.0601</td>
<td>-0.1388</td>
<td>-0.3856</td>
<td>0.4587*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6. सामाजिक विज्ञान</td>
<td>-0.1604</td>
<td>0.0230</td>
<td>-0.2903</td>
<td>0.1173</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7. कुल प्राप्तांक</td>
<td>0.0064</td>
<td>0.0370</td>
<td>-0.3905</td>
<td>0.3684**</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के हिंदी, संस्कृत, विज्ञान और कुल प्राप्तांक का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। संस्कृत (r = +.4448, df = 28, P < .01), विज्ञान (r = +.4587, df = 28, P < .01) ये दोनों .01 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं जबकि हिंदी (r = +.3650, df = 28, P < .05), कुल प्राप्तांक (r = +.3684, df = 28, P < .05) ये दोनों .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपरोक्त क्षेत्र आंशिक रूप से स्वीकृत हुई।

(125)
### तालिका 5.12

बाणिज्य संकाय (XII) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसूचंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैज्ञानिक पर्यायता</th>
<th>अंतर वैज्ञानिक पर्यायता</th>
<th>सामाजिक पर्यायता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>-0.1370 •</td>
<td>-0.0872 •</td>
<td>-0.2428 •</td>
<td>-0.1930 •</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-0.2477 •</td>
<td>-0.1310 •</td>
<td>0.2984 •</td>
<td>0.0417 •</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>व. के मूल तत्त्व</td>
<td>-0.1499 •</td>
<td>0.1063 •</td>
<td>0.3422 •</td>
<td>0.1272 •</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व.०.०. व.लेखाकर्म</td>
<td>0.0709 •</td>
<td>0.0450 •</td>
<td>0.2867 •</td>
<td>0.1735 •</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>वै.अर्थशास्त्र</td>
<td>0.0344 •</td>
<td>-0.2251 •</td>
<td>-0.0151 •</td>
<td>0.1485 •</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>-0.0104 •</td>
<td>0.0004 •</td>
<td>0.3373 •</td>
<td>0.1816 •</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि 12 वो के छात्रों के किसी भी विषय तथा कुल प्रामाण का सामाजिक परिपक्वता के साथ साधारण संबंध नहीं है | अतः वह उप-परिकल्पना कक्षा 12 के लिए पूर्णतः अस्वीकृत है | ।

Hr.7 - बाणिज्य संकाय के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसूचंध प्राप्त होगा ।

वाणिज्य संकाय की शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसूचंध को तालिका (5.13, 5.14) में दर्शाया गया है ।
### तालिका 5.13

वाणिज्य संकाय (XI) के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में दृष्टिकोण उपलब्धि के प्राप्तांको पर वाणिज्यिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>दृष्टिकोण उपलब्धि XI</th>
<th>वैज्ञानिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर वैज्ञानिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.1098**</td>
<td>.0910**</td>
<td>.2918**</td>
<td>.2735**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.3929**</td>
<td>-.2167**</td>
<td>.2284**</td>
<td>.3077**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.1964**</td>
<td>-.1477**</td>
<td>-.1467**</td>
<td>.1313**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.1377**</td>
<td>.1275**</td>
<td>-.0540**</td>
<td>.1668**</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.0724**</td>
<td>.2899**</td>
<td>-.2420**</td>
<td>-.1201**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.3643**</td>
<td>.0443**</td>
<td>.0935**</td>
<td>.4344**</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.3807**</td>
<td>.0545**</td>
<td>.0549**</td>
<td>.4010**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, * NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्राओं के सामाजिक विज्ञान और कुल प्राप्तांक का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक संबंध है। सामाजिक विज्ञान और सामाजिक परिपक्वता के लिए सहसंबंध (r = +.4344, df = 28, P < .05) तथा कुल प्राप्तांक और सामाजिक परिपक्वता के लिए सहसंबंध (r = +.4010, df = 28, P < .05) दोनों ही .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपरविषयिक सामाजिक विज्ञान और कुल दृष्टिकोण उपलब्धि के लिए स्वोक्त है तथा अन्य विषयों के लिए अस्वीकृत हुई।
लालिका 5.14

वाणिज्य संकाय (XII) के शही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>स्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.2957**</td>
<td>.1703**</td>
<td>.1874•</td>
<td>.1826•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.4163**</td>
<td>.3658**</td>
<td>.2067•</td>
<td>.3894**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>वा. के मूल तत्त्व</td>
<td>.2184•</td>
<td>.4588*</td>
<td>.2255•</td>
<td>.3086•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>बहो. व लेखाकर्म</td>
<td>.3216•</td>
<td>.4263**</td>
<td>.1422•</td>
<td>.3570**</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>व्या.अर्थशास्त्र</td>
<td>.3935**</td>
<td>.20216•</td>
<td>.1267•</td>
<td>.3333•</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.438**</td>
<td>.4334**</td>
<td>.1661•</td>
<td>.4803*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

कक्षा 12 छात्रों के अंग्रेजी, बहोवाला एवं लेखाकर्म व जुड़े कुल प्राप्तांक का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक संबंध है | कुल प्राप्तांक तथा सामाजिक परिपक्वता के लिए सहसंबंध (r = +.4803, df = 28, P < .01) उच्च सार्थक धनात्मक है | जबकि अंग्रेजी और सामाजिक परिपक्वता के लिए सहसंबंध (r = +.3894, df = 28, P < .05) तथा बहोवाला एवं लेखाकर्म और सामाजिक परिपक्वता के लिए सहसंबंध (r = +.3570, df = 28, P < .05) उच्चतम सार्थक धनात्मक है | अत: यह उपयोगिता अंशिक रूप से स्वीकृत हुई।

Hr1.8 - वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
वाणिज्य संकाय की ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.15, 5.16) में दर्शाया गया है।

**तालिका 5.15**

वाणिज्य संकाय (XI) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि (XI)</th>
<th>वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैचारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>0.0778</td>
<td>0.0730</td>
<td>-0.0414</td>
<td>-0.0163</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.0407</td>
<td>-0.1714</td>
<td>-0.0022</td>
<td>0.1916</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>0.0963</td>
<td>-0.0718</td>
<td>-0.1292</td>
<td>0.1113</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>0.0001</td>
<td>0.0133</td>
<td>0.0378</td>
<td>0.0175</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>0.3774</td>
<td>0.3264</td>
<td>0.3660</td>
<td>0.3401</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>0.1144</td>
<td>0.0956</td>
<td>0.0268</td>
<td>0.0841</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>0.2001</td>
<td>0.1319</td>
<td>0.0341</td>
<td>0.1766</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वी की ग्रामीण छात्राओं के किसी भी विषय में शैक्षिक उपलब्धि तथा कुल प्राप्तांक का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक संबंध नहीं है। अतः कक्षा 11 वी के लिए यह उपरीक्षण ना पूर्णतः अद्वैत हुई।
## तालिका 5.16

चालियों संस्काय (XII) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>व्यावहारिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर व्यावहारिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>0.4411**</td>
<td>0.3554**</td>
<td>0.1012</td>
<td>0.3594**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.1368•</td>
<td>0.3665**</td>
<td>0.3431•</td>
<td>0.3587**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>वा. के मूल तत्त्व</td>
<td>0.2592•</td>
<td>0.1938•</td>
<td>0.2200•</td>
<td>0.2331•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>वही. व लेखाकार्म</td>
<td>0.3261•</td>
<td>0.3027•</td>
<td>0.2654•</td>
<td>0.3768**</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>व्या.अर्थशाला</td>
<td>0.4164**</td>
<td>0.3526**</td>
<td>0.0966•</td>
<td>0.3711**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>0.3906**</td>
<td>0.3535**</td>
<td>0.2183•</td>
<td>0.3849**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01. **P < 0.05. • NS

### कक्षा 12 की ग्रामीण छात्राओं के हिंदी, अंग्रेजी बहोलता एवं लेखाकर्म, व्यावहारिक अर्थशाला और कुल प्रामांक का सामाजिक परिपक्वता के साथ साध्य सहसंबंध है।

उनके सहसंबंध क्रमशः हिंदी (r = +.3594, df = 28, P < .05), अंग्रेजी (r = +.3587, df = 28, P < .05), व्यावहारिक अर्थशाला (r = +.3711, df = 28, P < .05), बहोलता एवं लेखाकर्म (r = +.3768, df = 28, P < .05)। व्यावहारिक अर्थशाला के साथ पर साध्य धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपपरिक्षण चालियों के मूल तत्त्व के अंतर्दोषक अन्य सभी विषयों एवं कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत है।

Hr. 9 - विज्ञान संस्काय के जोड़ी मांगों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.17, 5.18) में दर्शाया गया है।

तालिका 5.17

विज्ञान संकाय (XI) के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>वैज्ञानिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर वैज्ञानिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>0.2322**</td>
<td>0.1396**</td>
<td>0.1247**</td>
<td>0.1054**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.1666**</td>
<td>0.3590**</td>
<td>0.1273**</td>
<td>0.2123**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>0.2534**</td>
<td>0.3875**</td>
<td>0.1720**</td>
<td>0.2691**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>0.3017**</td>
<td>0.0850**</td>
<td>-0.0303</td>
<td>0.0939**</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>0.1182**</td>
<td>0.0995</td>
<td>0.3616**</td>
<td>0.3537**</td>
</tr>
</tbody>
</table>
| 6.  | सामाजिक विज्ञान | 0.2307** | 0.0130 | 0.1199 | 0.0009*
| 7.  | कुल प्राप्तांक | 0.2955** | 0.2552 | 0.0989 | 0.1759** |

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा XI वीं के छात्रों के केवल विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धि का कुल सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। इसके लिए सहसंबंध r = +.353, df = 28, P < .05 प्राप्त हुआ। अतः वह उपयोगक्लेपन विज्ञान के अतिरिक्त अन्य विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए, अस्तित्वात्मक हुई।
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि 12</th>
<th>वैश्विक परीक्षा</th>
<th>अंत: वैश्विक परीक्षा</th>
<th>सामाजिक परीक्षा</th>
<th>कुल सामाजिक परीक्षा</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>0.4983*</td>
<td>0.4486*</td>
<td>0.3054</td>
<td>0.4628*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.4494*</td>
<td>0.4775*</td>
<td>0.4497*</td>
<td>0.4902*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>भौतिक</td>
<td>0.3040*</td>
<td>0.3519**</td>
<td>0.3301*</td>
<td>0.3120*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायन</td>
<td>0.4920*</td>
<td>0.5014*</td>
<td>0.5438*</td>
<td>0.5362*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>0.3140*</td>
<td>0.3625**</td>
<td>0.3588**</td>
<td>0.3576**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तकों</td>
<td>0.4530*</td>
<td>0.4317**</td>
<td>0.4453*</td>
<td>0.4633*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका 5.18

विज्ञान संकाय (XII) के शाही छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तकों एवं सामाजिक परीक्षा के मध्य सहसंबंध गुणांक

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्रों के हिंदी, अंग्रेजी, रसायन, गणित और कुल प्राप्तकों का सामाजिक परीक्षा के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध हैं। हिंदी (r = .4628, df = 28, P < .01) अंग्रेजी (r = .4902, df = 28, P < .01) रसायन (r = .5362, df = 28, P < .01) कुल प्राप्तकों (r = .4633, df = 28, P < .01) ये सभी .01 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। जबकि गणित (r = .3576, df = 28, P < .05) .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करता है। अतः यह उपरोक्त विषयों भौतिकी के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत हुई।

Hr.,10 - विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तकों एवं सामाजिक परीक्षा के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों पर सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.19, 5.20) में दर्शाया गया है।

## तालिका 5.19

विज्ञान संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों पर सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>वि.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>वैयक्तिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैयक्तिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>0.5650*</td>
<td>0.4326*</td>
<td>0.4532*</td>
<td>0.5720*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.3026*</td>
<td>0.0304*</td>
<td>0.0430*</td>
<td>0.1785*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>0.2875*</td>
<td>0.0649*</td>
<td>0.1753*</td>
<td>0.1517*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>0.2505*</td>
<td>0.1261*</td>
<td>0.5318*</td>
<td>0.3221*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>0.2834*</td>
<td>0.1580*</td>
<td>0.1231*</td>
<td>0.2153*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>0.3805**</td>
<td>0.3471**</td>
<td>0.3505**</td>
<td>0.3929**</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>0.4798*</td>
<td>0.2503*</td>
<td>0.3982**</td>
<td>0.4243**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P < 0.01, ** P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के हिन्दी, विज्ञान और कुल प्राप्तांक के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है हिन्दी (r = +.5720, df = 28, P < .01), सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करता है, जबकि विज्ञान (r = +.3929, df = 28, P < .05) तथा कुल प्राप्तांक (r = +.4243, df = 28, P < .05) ये दोनों .05 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। अतः यह उपरकल्पित आंशिक रूप से स्वीकृत हुई।
### तालिका 5.20

विज्ञान संकाय (XII) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>0.0124•</td>
<td>-0.0148•</td>
<td>0.0229•</td>
<td>-0.0152•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.3495**</td>
<td>0.2987•</td>
<td>0.2981•</td>
<td>0.3873**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>भौतिक</td>
<td>-0.0085</td>
<td>0.1872•</td>
<td>0.2662•</td>
<td>0.0781•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायन</td>
<td>0.1493•</td>
<td>0.3438•</td>
<td>0.1809•</td>
<td>0.0917•</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>0.0517•</td>
<td>0.2605•</td>
<td>0.2716•</td>
<td>0.1460•</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>0.0799•</td>
<td>0.2996•</td>
<td>0.2029•</td>
<td>0.1372•</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01. **P < 0.05. • NS

### तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्रों के केवल अंग्रेजी की शैक्षिक उपलब्धि का कुल सामाजिक परिपक्वता के साथ सहसंबंध \( (r = + .3873, df = 28, P < .05) \) प्राप्त हुआ जो कि .05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपपरिस्कृतमन कक्षा 12 वीं में अंग्रेजी के अन्तरिक्ष अन्य विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए अस्तित्वकृत हुई।

### Hr.11 - विज्ञान संकाय के शहरी छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय के शहीरी छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.21, 5.22) में दर्शाया गया है।

### तालिका 5.21

विज्ञान संकाय (XI) के शहीरी छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>वैज्ञानिक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैज्ञानिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.1044</td>
<td>-.0712</td>
<td>.1890</td>
<td>.1543</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.0785</td>
<td>.0163</td>
<td>.1988</td>
<td>.1180</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.1197</td>
<td>-.0435</td>
<td>.2958</td>
<td>.1882</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>-.1162</td>
<td>-.0288</td>
<td>.0736</td>
<td>-.0280</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.4216</td>
<td>.1123</td>
<td>.3854</td>
<td>.4313</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.1006</td>
<td>.0079</td>
<td>.1153</td>
<td>.1482</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.1345</td>
<td>-.0382</td>
<td>.2787</td>
<td>.2080</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं की छात्राओं के केवल विज्ञान की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक सहसंबंध है। इसके लिए, \( r = .4313, df = 28, P < .05 \) प्रम्व हुआ जो कि .05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपयोगिता विज्ञान के अतिरिक्त अन्य विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए अस्तित्व को बढ़ाने के लिए है।
हालिंदा 5.22

विज्ञान संकाय (XII) के शही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>वैयक्तिक परिपक्वता</th>
<th>अंतरवैयक्तिक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.2161•</td>
<td>-.0554•</td>
<td>.0390•</td>
<td>.1827•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-.0917•</td>
<td>-.5318•</td>
<td>-.1583•</td>
<td>-.2517•</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>भौतिक</td>
<td>-.2284•</td>
<td>.0869•</td>
<td>-.5101•</td>
<td>-.4030•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायन</td>
<td>.1600•</td>
<td>-.2638•</td>
<td>-.1768•</td>
<td>-.0234•</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>.1041•</td>
<td>-.1734•</td>
<td>-.2402•</td>
<td>-.0680•</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.1625•</td>
<td>-.2690•</td>
<td>-.1775•</td>
<td>-.0168•</td>
</tr>
</tbody>
</table>

•$P < 0.01$, **$P < 0.05$, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वी की छात्राओं के किसी भी विषय की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक घनत्व संबंध नहीं है। अतः कक्षा 12 वी के लिए यह उपयोगी नहीं है।

Hr12 - विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य उच्च घनत्व सहसंबंध प्रमाण होगा।
विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका (5.23, 5.24) में दर्शाया गया है।

तालिका 5.23

विज्ञान संकाय (XI) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>वैष्णविक परिपक्वता</th>
<th>अंतर वैष्णविक परिपक्वता</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>-.0298*</td>
<td>.1754*</td>
<td>.0581*</td>
<td>.0452*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-.0369*</td>
<td>.4795*</td>
<td>.1027*</td>
<td>.1951*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.0469*</td>
<td>.3434*</td>
<td>.1380*</td>
<td>.2363*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>-.527*</td>
<td>.3162*</td>
<td>-.1514*</td>
<td>.0447*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.2715*</td>
<td>.3004*</td>
<td>.1911*</td>
<td>.3180*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.0152*</td>
<td>-.0616*</td>
<td>-.1062*</td>
<td>-.1259*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.0638*</td>
<td>.4089**</td>
<td>.0142*</td>
<td>.1750*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01. **P < 0.05. • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा II वी की ग्रामीण छात्राओं के किसी भी विषय तथा कुल प्राप्तांक की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सांख्यिक धनात्मक सहसंबंध नहीं है। अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा II वी के लिए पूर्णतः अस्तित्वकृत हुई।
### तालिका 5.24

विद्यान संकाय (XII) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांको एवं सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>अंतर-वैयक्तिक पर्याप्तता</th>
<th>सामाजिक पर्याप्तता</th>
<th>कुल सामाजिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.0486•</td>
<td>-.3063•</td>
<td>-.0048•</td>
<td>.0082•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.1932•</td>
<td>-.5149•</td>
<td>.0615•</td>
<td>.1211•</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>भौतिकी</td>
<td>-.0595•</td>
<td>-.3160•</td>
<td>-.1546•</td>
<td>-.1119•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायनी</td>
<td>.1413•</td>
<td>-.1915•</td>
<td>.1253•</td>
<td>.1601•</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>.0445•</td>
<td>-.2401•</td>
<td>.0235•</td>
<td>.0405•</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.1228•</td>
<td>-.3678•</td>
<td>.0409•</td>
<td>.0898•</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं की ग्रामीण छात्राओं के किसी भी विषय तथा कुल ग्रामीण की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है। अतः यह उपरस्थलमा कक्षा 12 वीं के लिए पूर्णतः अस्वीकृत है।
5.2.2 शैक्षिक उपलब्धि एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध

Hr₂: "विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिकों एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।"

उपरोक्त परिक्ल्यना के परिक्षण हेतु कक्षा 11 वी एवं 12 वी के कला, वाणिज्य और विज्ञान संक्षेप के (1) ज्ञात्वीय छात्र (2) ग्रामीण छात्र (3) शहरी छात्र (4) शहरी छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा कुल प्रामाणि का सांवेदनिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल सांवेदनिक परिपक्वता के साथ सहसंबंध गुणांक की गणना की गई। इस परिक्ल्यना को Hr₂ से Hr₂₁ तक उपपरिक्ल्यनाओं में बोला गया है।

Hr₂₁: कला संक्षेप के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणि के एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संक्षेप के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांवेदनिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल सांवेदनिक परिपक्वता के सहसंबंध को तालिका (5.25, 5.26) में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.25

कला संक्षेप (XI) के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणि के एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांवेदनिक अभिषिक्ता</th>
<th>सांवेदनिक दमन</th>
<th>सांवेदनिक कुलसामायोन</th>
<th>व्यक्ति विकास</th>
<th>नेतृत्व दीर्घता</th>
<th>कुल सांवेदनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.5966*</td>
<td>.4190**</td>
<td>.4153**</td>
<td>.5624*</td>
<td>.4001**</td>
<td>.5803*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.5892*</td>
<td>.6225*</td>
<td>.3558*</td>
<td>.4929*</td>
<td>.2426*</td>
<td>.5848*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.2500</td>
<td>.4906*</td>
<td>.2290*</td>
<td>.2801*</td>
<td>.0631*</td>
<td>.3672**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.3376*</td>
<td>.6112*</td>
<td>.4438**</td>
<td>.4972*</td>
<td>.3951**</td>
<td>.5913*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.1475*</td>
<td>.5901*</td>
<td>.5722*</td>
<td>.6277*</td>
<td>.4048**</td>
<td>.6315*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>राजनीतिक विज्ञान</td>
<td>.1969*</td>
<td>.4136**</td>
<td>.4937*</td>
<td>.6266*</td>
<td>.3790**</td>
<td>.5500*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाणि</td>
<td>.5329*</td>
<td>.7770*</td>
<td>.6234*</td>
<td>.7925*</td>
<td>.5555*</td>
<td>.8474*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

(139)
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वी के छात्रों के सभी विषयों तथा कुल प्रामांक का सांबंधिक परिपक्वता के साथ धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी \( r = + .5803, \text{df} = 28, P < .01 \), अंग्रेज़ी \( r = + .5848, \text{df} = 28, P < .01 \), गणित \( r = + .5913, \text{df} = 28, P < .01 \), विज्ञान \( r = + .6315, \text{df} = 28, P < .01 \), सामाजिक विज्ञान \( r = + .5500, \text{df} = 28, P < .01 \), कुल प्रामांक \( r = + .8474, \text{df} = 28, P < .01 \) वे सभी .01 विद्वास तर पर सार्थक हैं। जबकि कंटूट \( r = + .3672, \text{df} = 28, P < .05 \) .05 विद्वास तर पर सार्थक है अतः यह उपपरिकृत्य पूर्णता स्वीकृत हुई।

तालिका 5.26

कला संकाय (XII) के छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्य पंथ सांबंधितकता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>सांबंधितकता</th>
<th>सांबंधितकता व्रमण</th>
<th>सांबंधितकता कुसमातरण</th>
<th>व्यक्तिगत विपरिवर्तन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांबंधितकता परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.4837*</td>
<td>.5655*</td>
<td>.6202*</td>
<td>.5892*</td>
<td>.3902*</td>
<td>.7166*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेज़ी</td>
<td>.5771*</td>
<td>.6788*</td>
<td>.5479*</td>
<td>.6882*</td>
<td>.1574*</td>
<td>.7191*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.3365*</td>
<td>.4352**</td>
<td>.1645*</td>
<td>.2911*</td>
<td>.4368**</td>
<td>.4526*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>.6038*</td>
<td>.5804*</td>
<td>.3929**</td>
<td>.6106*</td>
<td>.3327*</td>
<td>.7188*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>भूगोल</td>
<td>.5509*</td>
<td>.4276**</td>
<td>.3156*</td>
<td>.5623*</td>
<td>.1664*</td>
<td>.5883*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामांक</td>
<td>.6666*</td>
<td>.6958*</td>
<td>.5495*</td>
<td>.7402*</td>
<td>.4157**</td>
<td>.8547*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वी के छात्रों के सभी विषयों तथा कुल प्रामांक का सांबंधितकता के साथ धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी \( r = + .7166, \text{df} = 28, P < .01 \), अंग्रेज़ी \( r = + .7191, \text{df} = 28, P < .01 \), इतिहास \( r = + .4526, \text{df} = 28, P < .01 \), राजनीति विज्ञान \( r = + .7188, \text{df} = 28, P < .01 \), भूगोल \( r = + .5883, \text{df} = 28, P < .01 \), कुल प्रामांक \( r = + .8547, \text{df} = 28, P < .01 \) वे सभी .01 विद्वास तर पर सार्थक हैं। अतः यह उपपरिकृत्य पूर्णता स्वीकृत हुई।
हर - कला संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध की तालिका 5.27, 5.28 में दर्शाया गया है।

तालिका 5.27
कला संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांबंधिक अस्थिरता</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुलसमयोत्पादन</th>
<th>व्यक्तित्व विचरण</th>
<th>नेतृत्व होनात्मक</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.2658 •</td>
<td>-.2355 •</td>
<td>-.0492 •</td>
<td>.0092 •</td>
<td>.3127 •</td>
<td>.0903 •</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>-.0376 •</td>
<td>.0145 •</td>
<td>.1350 •</td>
<td>-.0403 •</td>
<td>.0218 •</td>
<td>.0921 •</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>-.1578 •</td>
<td>.1300 •</td>
<td>.1957 •</td>
<td>-.0843 •</td>
<td>.1577 •</td>
<td>.1829 •</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.0901 •</td>
<td>.3571 **</td>
<td>.2132 •</td>
<td>.5592 •</td>
<td>.5872 •</td>
<td>.6133 •</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>-.4307 •</td>
<td>-.0753 •</td>
<td>.1267 •</td>
<td>.1585 •</td>
<td>.4178 •</td>
<td>.2135 •</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.0526 •</td>
<td>.2692 •</td>
<td>.2490 •</td>
<td>-.1490 •</td>
<td>.0826 •</td>
<td>.1723 •</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाणिक</td>
<td>-.0446 •</td>
<td>.1897 •</td>
<td>.2761 •</td>
<td>.1695 •</td>
<td>.4209 **</td>
<td>.4214 **</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका पर दर्शित दालने पर परिलक्षित होता है कि कक्षा 11 वीं के ग्रामीण छात्रों के गणित और कुल प्रामाणिक की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। गणित के लिए ($r = +.6133$, $df = 28$, $P < .01$) है जो कि .01 विच्छय स्तर पर सार्थक है जबकि कुल प्रामाणिक के लिए ($r = +.4214$, $df = 28$, $P < .05$) है जो कि .05 विच्छय स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपभोग्य गणित और कुल शैक्षिक उपलब्धि के अतिरिक्त अन्य विषयों के लिए अस्तित्वकृत है।

(141)
### तालिका 5.28

कला संकाय (XII) के शारीरिक छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांबंधिक अस्थिरता</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विविधता</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.7406*</td>
<td>.6140*</td>
<td>.5761*</td>
<td>.5379*</td>
<td>.8031*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.6679*</td>
<td>.4708*</td>
<td>.7101*</td>
<td>.5547*</td>
<td>.8011*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.7207*</td>
<td>.6518*</td>
<td>.7775*</td>
<td>.5973*</td>
<td>.8955*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>.7349*</td>
<td>.6108*</td>
<td>.7436*</td>
<td>.6264*</td>
<td>.8815*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>मूर्गाल</td>
<td>.7860*</td>
<td>.6002*</td>
<td>.7389*</td>
<td>.4947*</td>
<td>.8685*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.7936*</td>
<td>.6338*</td>
<td>.7852*</td>
<td>.6267*</td>
<td>.9350*</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

इस तालिका से परिलक्षित होता है कि कक्षा 12 के ग्रामीण छात्रों के सभी विषयों तथा कुल प्रामांक का सांबंधिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिन्दी के लिए, \( r = + .8031 \), अंग्रेजी के लिए, \( r = + .8011 \), इतिहास \( r = + .8955 \), राजनीति विज्ञान \( r = + .8815 \), मूर्गाल \( r = + .8685 \) तथा कुल प्रामांक के लिए \( r = + .9350 \) प्राप्त हुआ है। ये सभी .01 विश्वास स्तर पर सार्थक हैं। अतः 12 के लिए यह उपरीक्षण पूर्णतः स्वीकृत हुई।

\( Hr_{23} \) - कला संकाय के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामांकों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
कला संकाय की शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.29. 5.30 में दर्शाया गया है।

**तालिका क्रमांक 5.29**

कला संकाय (XI) के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>स. नं.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांबंधिक आस्थिता</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुलसमयोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विकटन</th>
<th>नेतृत्व हितता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.4017**</td>
<td>.3268*</td>
<td>.0983*</td>
<td>.4897*</td>
<td>.5222*</td>
<td>.4555*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.3659**</td>
<td>.3869*</td>
<td>.0918*</td>
<td>-.0022*</td>
<td>-.0616*</td>
<td>.2604*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.6059*</td>
<td>.5519*</td>
<td>.3718**</td>
<td>.6036*</td>
<td>.6553*</td>
<td>.6445*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.4748*</td>
<td>.5021*</td>
<td>.1533*</td>
<td>.4382**</td>
<td>.6514*</td>
<td>.5048*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.3366**</td>
<td>.2827*</td>
<td>.0634*</td>
<td>.2628*</td>
<td>.3557**</td>
<td>.2925*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.6122*</td>
<td>.4250**</td>
<td>.2522*</td>
<td>.3922**</td>
<td>.4242**</td>
<td>.5507*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.7419*</td>
<td>.6889*</td>
<td>.2416*</td>
<td>.5339*</td>
<td>.6807*</td>
<td>.6990*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका पर दशि दालने से परिलक्षित होता है कक्षा 11 वी की शाही छात्राओं के हिंदी, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान और कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिक परिपक्वता के साथ साझेक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी के लिए ($r = +.4555$), संस्कृत के लिए ($r = +.6445$), गणित के लिए ($r = +.5048$), सामाजिक विज्ञान के लिए ($r = +.5507$) कुल प्रामाण्य के लिए ($r = +.6990$) प्राम हुआ है, ये सभी .01 विद्वेष्टन्यात्रा स्तर पर साझेक है। अतः यह उपपरिलक्षना विज्ञान और अंग्रेजी के अतिक्रिक अन्य सभी विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत हुई।
तालिका क्रमांक 5.30
कला संकाय (XII) के शहीद छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र. नं.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>सांवेदिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेदिक व्यक्तित्व</th>
<th>व्यक्तित्व विकास</th>
<th>नेतृत्व होनाता</th>
<th>कुल सांवेदिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.3331*</td>
<td>.2313*</td>
<td>.1929*</td>
<td>.4549*</td>
<td>.3781**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अर्थशास्त्र</td>
<td>.0425*</td>
<td>-.6206*</td>
<td>.1207*</td>
<td>.2386*</td>
<td>.1612*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.2492*</td>
<td>-.1856*</td>
<td>.2173*</td>
<td>.3746**</td>
<td>.1491*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>.1306*</td>
<td>.1389*</td>
<td>.1247*</td>
<td>.1359*</td>
<td>.1075*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>सूत्रों</td>
<td>.1144*</td>
<td>.2577*</td>
<td>.1206*</td>
<td>.1406*</td>
<td>.0159*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.2054*</td>
<td>.2007*</td>
<td>.2004*</td>
<td>.3016*</td>
<td>.1764*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं की शहीद छात्राओं के केवल हिंदी की शैक्षिक उपलब्धि का सांवेदिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। इसके लिए (r = +.4041, df = 28, P < .05) प्राम हुआ है अर्थात् यह .05 विविधता स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपरांकित तथा हिंदी के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए अस्वीकृत हुई।

Hr_{24} - कला संकाय के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य उच्च धातित्व सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय की ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध की तालिका 5.31, 5.32 में दर्शाया गया है।
तालिका क्रमांक - 5.31

कला संकाय (XI) के श्रमीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिकता सांबंध विश्लेषण के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांबंधिति अस्तित्व</th>
<th>सांबंधिति दमन</th>
<th>सांबंधिति कुलसमयांश</th>
<th>व्यक्तित्व विश्लेषण</th>
<th>नेतृत्व हितांश</th>
<th>कुल सांबंधिति परिशुरता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.5760*</td>
<td>.3839**</td>
<td>.3899**</td>
<td>.3912**</td>
<td>.3328*</td>
<td>.5055*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.5710*</td>
<td>.4454**</td>
<td>.1775*</td>
<td>.2422*</td>
<td>.1480*</td>
<td>.4823*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.4236**</td>
<td>.3971**</td>
<td>.1434*</td>
<td>.0004*</td>
<td>.2331*</td>
<td>.3544**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.1843*</td>
<td>.2609*</td>
<td>.0234*</td>
<td>.1110*</td>
<td>.0853*</td>
<td>.6025*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.3910**</td>
<td>.4920**</td>
<td>.4318**</td>
<td>.1853*</td>
<td>.2456*</td>
<td>.4270**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.3919**</td>
<td>.2422*</td>
<td>.3709**</td>
<td>.2842*</td>
<td>.5250*</td>
<td>.3826**</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाणिक</td>
<td>.2225*</td>
<td>.4371**</td>
<td>.2699*</td>
<td>.0408*</td>
<td>.3065*</td>
<td>.4353**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P< 0.05, • NS

tālīkā tā pāra dhārā pār pārīlāक्षित होता है कि कक्षा 11 वी कि छात्राओं के सभी विषयों और कुल प्रामाण की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिति परिपक्वता के साथ सार्थक रामात्मक सहसंबंध है। हिंदी के लिए (r = + .5055), अंग्रेजी के लिए (r = + .4823) और गणित के लिए (r = + .6025) ग्राम हुआ है, ये दोनों .01 विश्लेषण स्तर पर सार्थक है। जबकि संस्कृत के लिए (r = + .3544), विज्ञान के लिए (r = + .4270), सामाजिक विज्ञान के लिए (r = + .3826) तथा कुल प्रामाण के लिए (r = + .4335) ग्राम हुआ है, ये सभी .05 विश्लेषण स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपयोगक्त्व पूर्णतः स्पष्ट हुई।

(145)
## तालिका क्रमांक - 5.32

क्ला संकाय (XII) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणयों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>सांबंधिक आधिकारिक</th>
<th>सांबंधिक व्यक्तित्व</th>
<th>सांबंधिक कुलसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हिंदीता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी*</td>
<td>.4072**</td>
<td>.5301*</td>
<td>.4451**</td>
<td>.3894**</td>
<td>.4233**</td>
<td>.5827*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी -</td>
<td>.3344*</td>
<td>.3760**</td>
<td>.3903**</td>
<td>.2881*</td>
<td>.1168*</td>
<td>.3729**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>इतिहास</td>
<td>.2575*</td>
<td>.3913**</td>
<td>.5319*</td>
<td>.3743**</td>
<td>.6265*</td>
<td>.4994*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>राजनीति</td>
<td>.5823*</td>
<td>.5322*</td>
<td>.5670*</td>
<td>.5969*</td>
<td>.2892*</td>
<td>.6640*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>भूगोल</td>
<td>.6587*</td>
<td>.6657*</td>
<td>.6433*</td>
<td>.5751*</td>
<td>.6008*</td>
<td>.7478*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.6980*</td>
<td>.7817*</td>
<td>.8019*</td>
<td>.6998*</td>
<td>.7264*</td>
<td>.9133*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

इस तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 की ग्रामीण छात्राओं के सभी विषयों तथा कुल प्रामाण्य का सांबंधिक परिपक्वता के साथ साधारण धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = + .5827, df = 28, P < .01), इतिहास (r = + .4994, df = 28, P < .01), राजनीति विज्ञान (r = + .6640, df = 28, P < .01), भूगोल (r = + .7478, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण्य (r = + .9133, df = 28, P < .01) सभी .01 विश्वसनीयता स्तर पर साधारण है। जबकि अंग्रेजी के लिए (r = + .3729) प्राम हुआ है जो कि .05 विश्वसनीयता स्तर पर साधारण है। अतः यह उपसर्क्षण पूर्णतः स्वीकृत हुई।

Hr_{15} - वाणिज्य संकाय के अन्य छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

(146)
वाणिज्य संकाय के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों की श्रीकंठिक उपलब्धि तथा सांविनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.33, 5.34 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.33

वाणिज्य संकाय (XI) के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों में श्रीकंठिक उपलब्धि के प्रामाण्यों प्रति सांविनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>श्रीकंठिक उपलब्धि</th>
<th>सांविनिक अस्थिरता</th>
<th>सांविनिक दरमा</th>
<th>सांविनिक उपसर्वायोगिता</th>
<th>व्यक्तिविधि</th>
<th>नेतृत्व होनात</th>
<th>कुल सांविनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. हिंदी</td>
<td>.5415*</td>
<td>.5291*</td>
<td>.5231*</td>
<td>.5941*</td>
<td>.5926*</td>
<td>.7019*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2. अंग्रेजी</td>
<td>.3431*</td>
<td>.0684*</td>
<td>.3739**</td>
<td>.3384*</td>
<td>-.262*</td>
<td>.2685*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3. संस्कृत</td>
<td>.0317*</td>
<td>-.1075*</td>
<td>.1400*</td>
<td>.0231*</td>
<td>-.1373*</td>
<td>.0045*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4. गणित</td>
<td>.2986*</td>
<td>.1687*</td>
<td>.5669*</td>
<td>.2692*</td>
<td>.0543*</td>
<td>.3319*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5. विज्ञान</td>
<td>.4188**</td>
<td>.3608**</td>
<td>.5087*</td>
<td>.4241**</td>
<td>.3834**</td>
<td>.5182*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6. सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.3451**</td>
<td>.4863*</td>
<td>.5391*</td>
<td>.3676**</td>
<td>.4807*</td>
<td>.5419*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7. कुल प्राप्तांक</td>
<td>.4770*</td>
<td>.3309*</td>
<td>.6342*</td>
<td>.5261*</td>
<td>.3153*</td>
<td>.5612*</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 की शहरी छात्रों के हिंदी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कुल प्राप्तांक की श्रीकंठिक उपलब्धि का सांविनिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = + .7019, df = 28, P< .01), विज्ञान (r = + .5182, df = 28, P< .01), सामाजिक विज्ञान (r = + .5419, df = 28, P< .01), कुल प्राप्तांक (r = + .5612, df = 28, P< .01) में सभी .01 स्तर पर सार्थक हैं। अतः यह उपपरिक्ष्यन आंशिक रूप से स्वीकृत हुई।

(147)
वाणिज्य संकाय (XII) के शहीर छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामांकों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>सांबंधिक अधिकृतता</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विविधता</th>
<th>नेतृत्व हिस्सता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.4323**</td>
<td>.3674**</td>
<td>.2709**</td>
<td>.3665**</td>
<td>.3752**</td>
<td>.4932*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेज़ी</td>
<td>.0331*</td>
<td>.0955*</td>
<td>.1074</td>
<td>.2264*</td>
<td>.2119*</td>
<td>.1130*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>वा. के मूल तत्व</td>
<td>.4199**</td>
<td>.0848*</td>
<td>.4040**</td>
<td>.4451**</td>
<td>.3752**</td>
<td>.4343**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>बद्री. व लेखाकर्म</td>
<td>.4268**</td>
<td>.2662*</td>
<td>.5199*</td>
<td>.3876*</td>
<td>.4827*</td>
<td>.4606*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>व्या.अर्थशास्त्र</td>
<td>.4058**</td>
<td>.2872*</td>
<td>.4258**</td>
<td>.4032**</td>
<td>.4321**</td>
<td>.4576*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामांक</td>
<td>.5363*</td>
<td>.3788**</td>
<td>.5524*</td>
<td>.5380*</td>
<td>.4675*</td>
<td>.5951*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, * NS

तालिका से यह भी परिलक्षित होता है कि कक्षा 12 वीं के शहीर छात्रों के हिंदी, वाणिज्य के मूल तत्व, बद्रीवाद एवं लेखाकर्म, व्यवहारिक अर्थशास्त्र और कुल प्रामांक का सांबंधिक परिपक्वता के साथ सार्थक अनुपातक तहसंबंध है | हिंदी के लिए (r = + .4932), बद्रीवाद एवं लेखाकर्म के लिए (r = + .4606), व्यवहारिक अर्थशास्त्र के लिए (r = + .4576), कुल प्रामांक के लिए (r = + .5951) प्राम हुआ है | ये सभी .01 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक है जबकि वाणिज्य के मूल तत्व के लिए (r = + .4343) प्राम हुआ है जो कि .05 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक है | अत: यह उपरसंलग्ना अंग्रेज़ी के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वीकृत हुई।

Hr_{26} = \text{वाणिज्य संकाय के प्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामांकों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।}

(148)
वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.35, 5.36 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.35

वाणिज्य संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामांकों एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांवेदनिक अवस्थिता</th>
<th>सांवेदनिक दमन</th>
<th>सांवेदनिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यतिरिक्त विघटन</th>
<th>नेतृत्व हिंसा</th>
<th>कुल सांवेदनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.4095**</td>
<td>.3699**</td>
<td>.6863*</td>
<td>.6759*</td>
<td>.5880*</td>
<td>.7258*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.3074*</td>
<td>.0094*</td>
<td>.4146**</td>
<td>.3061*</td>
<td>.0501*</td>
<td>.35**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.3830**</td>
<td>.4388**</td>
<td>.6561*</td>
<td>.7187*</td>
<td>.4985*</td>
<td>.7212*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.6235*</td>
<td>.5372*</td>
<td>.6219*</td>
<td>.5168*</td>
<td>.4631*</td>
<td>.7224*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.3101*</td>
<td>.3529**</td>
<td>.4919*</td>
<td>.4992*</td>
<td>.1660*</td>
<td>.4855*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.3874**</td>
<td>.3665**</td>
<td>.6142*</td>
<td>.5835*</td>
<td>.3607**</td>
<td>.5804*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामांक</td>
<td>.5269*</td>
<td>.4498*</td>
<td>.7267*</td>
<td>.6959*</td>
<td>.4497*</td>
<td>.7585*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा XI बो के छात्रों के सभी विषयों तथा कुल प्रामांक की शैक्षिक उपलब्धि का सांवेदनिक परिपक्वता के साथ सांर्थव्य भावनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = +.7258, df = 28, P < 0.01), संस्कृत (r = +.7212, df = 28, P < 0.01), गणित (r = +.7224, df = 28, P < 0.01), विज्ञान (r = +.4855, df = 28, P < 0.01), सामाजिक विज्ञान (r = +.5804, df = 28, P < 0.01), कुल प्रामांक (r = +.7585, df = 28, P < 0.01)।

ये सभी .01 स्तर के विश्वसनीयता स्तर पर सांर्थव्य हैं जबकि अंग्रेजी के लिए r = +.35 प्राम हुआ है, जो फिर .05 स्तर स्तर पर सांर्थव्य है। अतः यह उपयोगिकता पूर्णतः स्वीकृत है।

(149)
वाणिज्य संकाय (XII) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के साथ सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>स्थान</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>सांबंधिक विषय</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक दमन कृतमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विभाजन</th>
<th>नेतृत्व होना</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.5688*</td>
<td>.4855*</td>
<td>.4502*</td>
<td>.6218*</td>
<td>.2236*</td>
<td>.6792*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.5891*</td>
<td>.5811*</td>
<td>.4650*</td>
<td>.5670*</td>
<td>.3228*</td>
<td>.7394*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>चाका के मूल तत्त्व</td>
<td>.5177*</td>
<td>.5404*</td>
<td>.4935*</td>
<td>.5245*</td>
<td>.3486**</td>
<td>.7165*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>बहुते. ब लेखाकर्म</td>
<td>.5569*</td>
<td>.6001*</td>
<td>.4068**</td>
<td>.6168*</td>
<td>.2549*</td>
<td>.7342*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>चाका.अर्थशास्त्र</td>
<td>.5569*</td>
<td>.6001*</td>
<td>.4068**</td>
<td>.6168*</td>
<td>.2549*</td>
<td>.7342*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाणिक</td>
<td>.6312*</td>
<td>.6318*</td>
<td>.5085*</td>
<td>.6700*</td>
<td>.3652**</td>
<td>.8260*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका के यह परिलक्षित होता है कि कक्षा 12 की छात्रों के भी सभी विषयों तथा कुल प्रामाणिक की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (r = + .6792, df = 28, P < .01), अंग्रेजी (r = + .7394, df = 28, P < .01), वाणिज्य के मूल तत्त्व (r = + .7165, df = 28, P < .01), बहुते. ब लेखाकर्म (r = + .7342, df = 28, P < .01), व्यक्तित्व विभाजन (r = + .7342, df = 28, P < .01), कुल प्रामाणिक (r = + .8260, df = 28, P < .01) ये सभी .01 विश्लेषकयता स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपरोक्त स्थिति स्वीकृत हुई है।

Hr₁₇ - वाणिज्य संकाय के शहरी छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के साथ उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
वाणिज्य की शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.37, 5.38 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.37
वाणिज्य संकाय (XI) के शाही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>सांबंधिक अवधिता</th>
<th>सांबंधिक दरम</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.2261•</td>
<td>.3153•</td>
<td>.3619**</td>
<td>.0710•</td>
<td>.0379•</td>
<td>.3953**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.1973•</td>
<td>.4110**</td>
<td>-.2865•</td>
<td>.0089•</td>
<td>-.2604•</td>
<td>.1116•</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.1925</td>
<td>.2325</td>
<td>.1669</td>
<td>.3278•</td>
<td>-.1705•</td>
<td>.2815•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.3726**</td>
<td>.2839•</td>
<td>.2595</td>
<td>.2860•</td>
<td>-.0915•</td>
<td>.3705**</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.0820•</td>
<td>.0238</td>
<td>-.6935•</td>
<td>-.0728•</td>
<td>.2627•</td>
<td>.0223•</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.4155**</td>
<td>.2946•</td>
<td>.2283</td>
<td>.3047•</td>
<td>.1216•</td>
<td>.4208**</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.4791*</td>
<td>.3624**</td>
<td>.2275</td>
<td>.3906**</td>
<td>-.1136•</td>
<td>.4909*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से यथाप्रयोग है कि कक्षा 11 वीं की छात्राओं के हिंदी, गणित, सामाजिक विज्ञान और कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। कुल प्रामाण्य के लिए (r = +.4909) प्राम हुआ है जो कि .01 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक है, जबकि हिंदी (r = +.3953, df = 28, P < .05), गणित (r = +.3705, df = 28, P < .05), सामाजिक विज्ञान (r = +.4208, df = 28, P < .05) वे सभी .05 विश्वसाय स्तर पर सार्थक हैं। अतः यह उपरराकल्पना आंशिक रूप से स्वीकृत हुई।
वाणिज्य संकाय (XII) के शही छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>सांबंधिक परिपक्वता</th>
<th>सांबंधिक व्यवस्थित</th>
<th>सांबंधिक कुलमात्रायें</th>
<th>व्यवस्थित विभाजन</th>
<th>नेटवर्ष विभाजन</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>प्र.</td>
<td>शैक्षिक उपलब्धि</td>
<td>अनुप्रेषण</td>
<td>तत्त्व</td>
<td>कुलमात्रायें</td>
<td>विभाजन</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>0.2799*</td>
<td>0.3013*</td>
<td>0.1657*</td>
<td>0.3823**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>0.3249*</td>
<td>0.3404*</td>
<td>0.3407*</td>
<td>0.4162**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>वा. के मूल तत्त्व</td>
<td>0.4611**</td>
<td>0.2989*</td>
<td>0.4368*</td>
<td>0.7380*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>वहीं. व लेखाखंड</td>
<td>0.4747*</td>
<td>0.4361**</td>
<td>0.4597*</td>
<td>0.6295*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>चिंता अनुभाव</td>
<td>0.2969*</td>
<td>0.3508**</td>
<td>-0.0768*</td>
<td>0.2220*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल गुणांक</td>
<td>0.3688**</td>
<td>0.3536**</td>
<td>0.2768*</td>
<td>0.5265*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, NS

तालिका से यह परिलक्षित होता है कि कक्षा 12 वीं की छात्राओं के अंग्रेजी, वाणिज्य के मूल तत्त्व, बढ़ीबादा एवं लेखाखंड तथा कुल गुणांक की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है | अंग्रेजी के लिए (r = + .4093), प्राम हुआ है जो कि .05 विश्लेषण स्तर पर सार्थक है | वाणिज्य के मूल तत्त्व (r = + .5239, df = 28, P < .01), बढ़ीबादा एवं लेखाखंड (r = + .5810, df = 28, P < .01), कुल गुणांक (r = + .4463, df = 28, P < .01) वे सभी .01 विश्लेषण स्तर पर सार्थक है | अतः यह उपरोक्त तथ्य तथा व्यावहारिक अर्थशास्त्र के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों एवं कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्वयं दिखाई देता है।

Hr² = वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
वाणिज्य की प्रामाणिक छात्राओं के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि तथा सांख्यिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.39, 5.40 में दर्ज किया गया है।

तालिका क्रमांक - 5.39

वाणिज्य संकाय (XI) के प्रामाणिक छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणकों एवं सांख्यिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>सांख्यिक अस्थिरता</th>
<th>सांख्यिक स्थन</th>
<th>सांख्यिक कुलांतरण</th>
<th>व्यक्तित्व विचरण</th>
<th>नेतृत्व होनता</th>
<th>कुल सांख्यिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.5421*</td>
<td>.1017*</td>
<td>.7729*</td>
<td>.6030*</td>
<td>.4839*</td>
<td>.7967*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.5175*</td>
<td>.1096*</td>
<td>.2439*</td>
<td>.3644**</td>
<td>.3529**</td>
<td>.5710*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.5431*</td>
<td>.0019*</td>
<td>.4507*</td>
<td>.4616*</td>
<td>.6024*</td>
<td>.7025*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.1525*</td>
<td>.7196*</td>
<td>.0577*</td>
<td>.1748*</td>
<td>.0370*</td>
<td>.0976*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.4238**</td>
<td>.0246*</td>
<td>.4309**</td>
<td>.3949**</td>
<td>.4208**</td>
<td>.5700*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.5874*</td>
<td>-.0410*</td>
<td>.4794*</td>
<td>.5611*</td>
<td>.5558*</td>
<td>.7551*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाणक</td>
<td>.6495*</td>
<td>-.0397*</td>
<td>.5201*</td>
<td>.5714*</td>
<td>.5943*</td>
<td>.8250*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P<0.05. • NS

तालिका से स्पष्ट है कि क्रमा 11 वी की प्रामाणिक छात्राओं के हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कुल प्रामाणक की शैक्षिक उपलब्धि का सांख्यिक परिपक्वता के साथ सार्थक ध्वनात्मक सहसंबंध है हिंदी (r = +.7967, df = 28), अंग्रेजी (r = +.5710, df = 28), संस्कृत (r = +.7025, df = 28), विज्ञान (r = +.5700, df = 28), सामाजिक विज्ञान (r = +.7551, df = 28). कुल प्रामाणक (r = +.8250, df = 28). ये सभी .01 विचरणानुप्रवृत्त द्वारा सशस्त्र राय सार्थक हैं। अतः यह उपयोगितता गणित के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्नेहकुल है।
### तालिका क्रमांक - 5.40

बाणिज्य संकाय (XII) के शारीरिक छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांवेदिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेदिक व्यक्तित्व</th>
<th>व्यक्तित्व विकास</th>
<th>नेतृत्व हिमायत</th>
<th>कुल सांवेदिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.4506*</td>
<td>.5572*</td>
<td>.6266*</td>
<td>.5511*</td>
<td>.1036*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेज़ी</td>
<td>.0870*</td>
<td>.3014*</td>
<td>.4725*</td>
<td>.2894*</td>
<td>.0082*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>वा. के मूल तत्व</td>
<td>.2375*</td>
<td>.3097*</td>
<td>.4030**</td>
<td>.5784*</td>
<td>.6464*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>वा. अथर्षाल</td>
<td>.4716*</td>
<td>.3608**</td>
<td>.4638*</td>
<td>.3718**</td>
<td>.2982*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>व्या.अथर्षाल</td>
<td>.5273*</td>
<td>.5770*</td>
<td>.6303*</td>
<td>.6949*</td>
<td>.0918*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.4286**</td>
<td>.5099*</td>
<td>.6183*</td>
<td>.5965*</td>
<td>.1204*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, *NS

तालिका से यह स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं की छात्राओं के सभी विषयों तथा कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सांवेदिक परिपक्वता के साथ धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी (t = + .7197, df = 28), अंग्रेज़ी (r = + .4626, df = 28), बाणिज्य के मूल तत्व (r = + .6016, df = 28), व्यावहारिक अर्थशास्त्र (r = + .7112, df = 28), कुल प्रामाण्य (r = + .7500, df = 28) ये सभी 01 विविधताता स्तर पर साधक हैं। अत: यह उपरकल्पना पूर्णतः स्वीकृत हुई।

**Hr₂**, - विज्ञान संकाय के शहरी छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्य हेतु सांवेदिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय के शहीरी छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.41, 5.42 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.41

विज्ञान संकाय (XI) के शहीरी छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XI</th>
<th>सांबंधित</th>
<th>सांबंधित दस्तावेज़</th>
<th>सांबंधित कुलसमायोजन</th>
<th>व्यक्तिगत विकल्पना</th>
<th>नेतृत्व हिन्दी</th>
<th>कुल सांबंधित परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.3469*</td>
<td>.3960**</td>
<td>.3578**</td>
<td>.2928*</td>
<td>.3968**</td>
<td>.5804*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेज़ी</td>
<td>.4570*</td>
<td>.5079*</td>
<td>.3153*</td>
<td>.5035*</td>
<td>.3780**</td>
<td>.6482*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.4738*</td>
<td>.3735**</td>
<td>.4044**</td>
<td>.5053*</td>
<td>.4013**</td>
<td>.6364*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.4447**</td>
<td>.4327**</td>
<td>.2009*</td>
<td>.2348*</td>
<td>.3431*</td>
<td>.5422*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.1877*</td>
<td>.4454**</td>
<td>.2543*</td>
<td>.0309*</td>
<td>.1351*</td>
<td>.3560**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.4454**</td>
<td>.3801**</td>
<td>.5443*</td>
<td>.3198*</td>
<td>.3632**</td>
<td>.6376*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.5571*</td>
<td>.5154*</td>
<td>.3656**</td>
<td>.5096*</td>
<td>.5245*</td>
<td>.7530*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के सभी विषयों तथा कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधित परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। हिंदी ($r = +.5804$, df = 28, P < .01), अंग्रेज़ी ($r = +.6482$, df = 28, P < .01), संस्कृत ($r = +.6364$, df = 28, P < .01), गणित ($r = +.5422$, df = 28, P < .01), सामाजिक विज्ञान ($r = +.6376$, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण्य ($r = +.7530$, df = 28, P < .01) तथा सभी .01 विवाद स्तर पर सार्थक हैं, जबकि विज्ञान के लिए $r = +.3560$ प्राम हुआ है जो कि .05 विवाद स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपपरिक्लिना पूर्णतः स्वीकृत हुई।

(155)
लालिका क्रमांक 5.42

विज्ञान संकाय (XII) के छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध पुरुष का तालिका है:

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांबंधिक अभिरति</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तिक विघटन</th>
<th>नेतृत्व होनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिन्दी</td>
<td>.4965**</td>
<td>.5816*</td>
<td>.2845*</td>
<td>.5390*</td>
<td>.4078**</td>
<td>.4160**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.4655*</td>
<td>.5804*</td>
<td>.4270**</td>
<td>.6603*</td>
<td>.6140*</td>
<td>.3971**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>मौलिक</td>
<td>.4327**</td>
<td>.5918*</td>
<td>.1495*</td>
<td>.7562*</td>
<td>.5555*</td>
<td>.4717*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायन</td>
<td>.3927**</td>
<td>.6157*</td>
<td>.1639*</td>
<td>.7155*</td>
<td>.6289*</td>
<td>.4957*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>.4206**</td>
<td>.5222*</td>
<td>.3522**</td>
<td>.6453*</td>
<td>.7085*</td>
<td>.4829*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.5378*</td>
<td>.7528*</td>
<td>.3267*</td>
<td>.8578*</td>
<td>.7498*</td>
<td>.6836*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से यह भी परिलक्षित होता है कि कक्षा 12 की छात्रों के भी सभी विषयों तथा कुल प्रामाण्य का सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सार्थक घनात्मक सहसंबंध है। मौलिक (r = + .4717, df = 28, P < .01), रसायन (r = + .4957, df = 28, P < .01), गणित (r = + .4829, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण्य (r = + .6836, df = 28, P < .01) ने सभी .01 विभाजन स्तर पर सार्थक हैं, जबकि हिन्दी के लिए (r = + .4160), अंग्रेजी के लिए (r = + .3971) प्राम हुआ है ये .05 विभाजनीयता स्तर पर सार्थक है। अतः यह उपरिकल्पना पूर्णतः स्थीरता हुई।

Hr_{2.10} - विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य उच्च घनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सांवैचिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.43, 5.44 में दर्शाया गया है।

तालिका अंक 5.43
विज्ञान संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांवैचिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>जैशिक उपलब्धि XI</th>
<th>सांवैचिक अधिकरण</th>
<th>सांवैचिक दामन</th>
<th>सांवैचिक कुलसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व होषणा</th>
<th>कुल सांवैचिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.1186*</td>
<td>.1457*</td>
<td>-.0365*</td>
<td>-.1029*</td>
<td>.1453*</td>
<td>.2659*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.4149**</td>
<td>.4695*</td>
<td>-.1239*</td>
<td>-.1840*</td>
<td>-.1397*</td>
<td>.3802**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत</td>
<td>.1228*</td>
<td>.3642**</td>
<td>.0301*</td>
<td>.0046*</td>
<td>.0809*</td>
<td>.3230*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित</td>
<td>.2302*</td>
<td>.1974*</td>
<td>-.1035*</td>
<td>-.0107*</td>
<td>.0648*</td>
<td>.1766*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>.2694*</td>
<td>.4720*</td>
<td>.2639*</td>
<td>.0258*</td>
<td>.1249*</td>
<td>.3958**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.0996*</td>
<td>.2573*</td>
<td>.1615*</td>
<td>.2185*</td>
<td>.5031*</td>
<td>.4049**</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>.2903*</td>
<td>.4895*</td>
<td>.0117*</td>
<td>-.0229*</td>
<td>.1509*</td>
<td>.4708*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P< 0.05, *NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के ग्रामीण छात्रों के अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कुल प्रामांक की शैक्षिक उपलब्धि का सांवैचिक परिपक्वता के साथ साध्य क्रमांक सहसंबंध है। कुल प्रामांक के लिए \( r = +.4708, \text{df} = 28 \) प्राम हुआ है जो कि .01 विश्वसनीय स्तर पर साध्य है। अंग्रेजी \( r = +.3802, \text{df} = 28 \) विज्ञान \( r = +.3958, \text{df} = 28 \) सामाजिक विज्ञान \( r = +.4049, \text{df} = 28 \) ये सभी .05 विश्वसनीय स्तर पर साध्य है। अतः यह उपरिकल्पना आंशिक रूप से स्थीरता हुई।


तालिका क्रमांक 5.44

विद्यान संकाय (XII) के ग्रामीण छात्रों के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्य एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि XII</th>
<th>सांवेदिक अस्तित्वता</th>
<th>सांवेदिक दमन</th>
<th>सांवेदिक कृतसामायिक</th>
<th>व्यक्तित्व विचित्र</th>
<th>नेतृत्व होनेवाला</th>
<th>कुल सांवेदिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.3265*</td>
<td>.4109**</td>
<td>.4949*</td>
<td>.4693*</td>
<td>.4129**</td>
<td>.6206*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.3420*</td>
<td>.1605*</td>
<td>.4114**</td>
<td>.4055**</td>
<td>.2269*</td>
<td>.4783*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>भौतिक</td>
<td>.5318*</td>
<td>.2343*</td>
<td>.3613**</td>
<td>.4113**</td>
<td>.1440*</td>
<td>.5465*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायन</td>
<td>.5863*</td>
<td>.5474*</td>
<td>.6318*</td>
<td>.6522*</td>
<td>.5750*</td>
<td>.8874*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>.3826**</td>
<td>.2101*</td>
<td>.3041*</td>
<td>.5425*</td>
<td>.2104*</td>
<td>.5324*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.6164*</td>
<td>.4309**</td>
<td>.6129*</td>
<td>.6680*</td>
<td>.4444**</td>
<td>.8427*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से यह भी पर्लक्षित होता है कि कक्षा 12 वी के छात्रों के सभी विषयों तथा कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सांवेदिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है | हिंदी (r = +.6206, df = 28, P < .01), अंग्रेजी (r = +.4783, df = 28, P < .01) भौतिक (r = +.5465, df = 28, P < .01), रसायन (r = +.8874, df = 28, P < .01), गणित (r = +.5324, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण्य (r = +.8427, df = 28, P < .01) वे सभी .01 रविवर्तकता स्तर पर सार्थक है | अतः यह उपरांकन करणा पूर्णतः स्वीकृत हुई।

Hr_{2.11} - विद्यान संकाय के शहीद छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्य एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय की शहरी छात्राओं के विभिन्न विषयों की शीक्षिक उपलब्धि एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.45, 5.46 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.45

विज्ञान संकाय (XI) की शहरी छात्राओं के विभिन्न विषयों में शीक्षिक उपलब्धि के प्रामाणकों एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>सांवेदिक उपलब्धि XI</th>
<th>सांवेदिक अभिव्यक्ति</th>
<th>सांवेदिक दृष्टि</th>
<th>सांवेदिक कुलपत्तियाँ</th>
<th>व्यक्तित्व विकास</th>
<th>नीतित्व हैन्ति</th>
<th>कुल सांवेदिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. टिकी</td>
<td>.0583**</td>
<td>.3324**</td>
<td>.1942**</td>
<td>.1624**</td>
<td>-.0221**</td>
<td>.1488**</td>
</tr>
<tr>
<td>2. अंग्रेजी</td>
<td>.2539**</td>
<td>.5433**</td>
<td>.2617**</td>
<td>.2421**</td>
<td>.1211**</td>
<td>.3486**</td>
</tr>
<tr>
<td>3. संस्कृत</td>
<td>.0944**</td>
<td>.4465**</td>
<td>.1103**</td>
<td>.1381**</td>
<td>.0958**</td>
<td>.2503**</td>
</tr>
<tr>
<td>4. गणित</td>
<td>.0534**</td>
<td>-.1332**</td>
<td>.1917**</td>
<td>.0510**</td>
<td>.0424**</td>
<td>.0658**</td>
</tr>
<tr>
<td>5. विज्ञान</td>
<td>.2785**</td>
<td>.3749**</td>
<td>.4261**</td>
<td>.3120**</td>
<td>.2650**</td>
<td>.4285**</td>
</tr>
<tr>
<td>6. सामाजिक विज्ञान</td>
<td>.2974**</td>
<td>.2358**</td>
<td>.3432**</td>
<td>.3293**</td>
<td>.1083**</td>
<td>.3947**</td>
</tr>
<tr>
<td>7. कुल प्रामाण</td>
<td>.2480**</td>
<td>.4072**</td>
<td>.3397**</td>
<td>.2086**</td>
<td>.1594**</td>
<td>.3598**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P<0.01, **P<0.05, •NS

तालिका से परिलक्षित होता है कि कक्षा 11 की छात्राओं के अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कुल प्रामाण की शीक्षिक उपलब्धि का सांवेदिक परिपक्वता के साथ धनात्मक सार्थक सहसंबंध है | अंग्रेजी (r = +.3486, df = 28, P<.05) विज्ञान (r = +.4285, df = 28, P<.05) सामाजिक विज्ञान (r = +.3947, df = 28, P<.05) कुल प्रामाण (r = +.3598, df = 28, P<.05) ये सभी .05 विद्यमानीयता स्तर पर सार्थक है | अतः यह उपपरिकल्पना आंशिक रूप से स्थायित्व हुई।


प्रामाण्य क्रमांक 5.46

विज्ञान संकाय (XII) की शहीद छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांविशेषिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>सांविशेषिक अन्तरगता</th>
<th>सांविशेषिक विभव</th>
<th>व्यक्तित्व विचित्र</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांविशेषिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी</td>
<td>.1594*</td>
<td>.0018*</td>
<td>.1528*</td>
<td>.3273*</td>
<td>.2128*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>.0596*</td>
<td>.5706*</td>
<td>.0613*</td>
<td>.1380*</td>
<td>.4336**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>भौतिक</td>
<td>.4176**</td>
<td>.3571**</td>
<td>.5377*</td>
<td>.5628*</td>
<td>.5879*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>रसायन</td>
<td>.2305*</td>
<td>.4162**</td>
<td>.2988*</td>
<td>.6016*</td>
<td>.5748*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>गणित</td>
<td>.2884*</td>
<td>.4981*</td>
<td>.3470*</td>
<td>.6100*</td>
<td>.4655*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>.3333*</td>
<td>.6042*</td>
<td>.3556**</td>
<td>.7092*</td>
<td>.6317*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < .01, **P < .05, • NS

तालिका से यह स्पष्ट है कि कक्षा 12 वी की छात्राओं के अंग्रेजी, भौतिक, रसायन, गणित और कुल प्रामाण्य की शैक्षिक उपलब्धि का सांविशेषिक परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। अंग्रेजी के लिए, $r = + .4031$ प्राम हुआ है जो कि .05 विद्यमान स्तर पर सार्थक है। भौतिक ($r = + .6613$, df = 28, P < .01), रसायन ($r = + .5524$, df = 28, P < .01), गणित ($r = + .5913$, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण्य ($r = + .6967$, df = 28, P < .01) ये सभी .01 विद्वसत्तात्मक स्तर पर सार्थक हैं। अतः, यह उपर्युक्तप्रथम हिंदी के अतिरिक्त अन्य विषयों तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि के लिए स्तब्धक्रम हुई।

$H_{1.12}$ - विज्ञान संकाय के प्रामाण्य छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाण्यों एवं सांविशेषिक परिपक्वता के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।
विज्ञान संकाय ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.47, 5.48 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.47

विज्ञान संकाय (XI) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के प्रामाणों एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र:</th>
<th>शैक्षिक उपलब्धि अस्तित्वता</th>
<th>सांबंधिक लक्षण</th>
<th>सांबंधिक कूसमयोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विविधता</th>
<th>नेतृत्व दीनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>हिंदी 1.461**</td>
<td>.3839**</td>
<td>.3899**</td>
<td>.3912**</td>
<td>.3328*</td>
<td>.5055*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अंग्रेजी .4610*</td>
<td>.4454**</td>
<td>.1775*</td>
<td>.2422*</td>
<td>.1480*</td>
<td>.4823*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>संस्कृत .1620*</td>
<td>.3971**</td>
<td>.1434*</td>
<td>.0004*</td>
<td>.2331*</td>
<td>.3544**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>गणित .1449*</td>
<td>.2609*</td>
<td>.0234*</td>
<td>.1110*</td>
<td>.0853*</td>
<td>.1843*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विज्ञान .2538*</td>
<td>.4920*</td>
<td>.4318**</td>
<td>.1853*</td>
<td>.2456*</td>
<td>.4270**</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक विज्ञान .0625*</td>
<td>.2422*</td>
<td>.3709**</td>
<td>.2842*</td>
<td>.5250*</td>
<td>.3826**</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>कुल प्रामाण .2225*</td>
<td>.4371**</td>
<td>.2699*</td>
<td>.0408*</td>
<td>.3065*</td>
<td>.4356**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, ** P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वी की ग्रामीण छात्राओं के हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कुल प्रामाण की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधिक परिपक्वता से साथ साध्य था। अनुमान यह है कि शैक्षिक स्तर पर साध्य है। संस्कृत (r = + .3544, df = 28, P < .01), विज्ञान (r = + .4270, df = 28, P < .01), सामाजिक विज्ञान (r = + .3826, df = 28, P < .01), कुल प्रामाण (r = + .4356, df = 28, P < .01) ये सभी .05 निलें हैं पर साध्य है। अतः यह अपरिस्थित्य पूर्णतः स्वीकृत हुई।

(161)
तालिका 5.48

विज्ञान संकाय (XII) के ग्रामीण छात्राओं के विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि
के प्रामांकों पर व्यावहारिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

| क्र. | शैक्षिक उपलब्धि | सांबंधित | सांबंधित
|     | XII | अध्ययन नियोजन | व्यक्ति
|     |     | अध्ययन | नियोजन | व्यक्ति नियोजन | होनाँत | सांबंधित
|     |     | नियोजन | नियोजन | नियोजन | होनाँत | सांबंधित
| 1. | हिन्दी | .5780* | .7057* | .5489* | .4470** | .2787* | .6893* |
| 2. | अंग्रेजी | .5392* | .5207* | .2760* | .4080** | .1401* | .6522* |
| 3. | भारतीय | .7307* | .6967* | .5088* | .5311* | .3777** | .7653* |
| 4. | स्त्रीवाण | .4143** | .6353* | .6466* | .6084* | .3545** | .7349* |
| 5. | गणित | .6247* | .5776* | .4354** | .5608* | .4787* | .7269* |
| 6. | कुल प्रामांक | .7438* | .8145* | .6409* | .6825* | .4493* | .9304* |

*P < 0.01, ** P < 0.05, * NS

तालिका से यह परिलक्षित होता है कि कक्षा 12 वीं की ग्रामीण छात्राओं के सभी
विषयों तथा कुल प्रामांक की शैक्षिक उपलब्धि का सांबंधित परिपक्वता के साथ सार्थक धनात्मक
सहसंबंध है | हिन्दी (r = +.6893, df = 28, P < .01), अंग्रेजी (r = +.6522, df = 28,
P < .01), भारतीय (r = +.7653, df = 28, P < .01), स्त्रीवाण (r = +.7349, df = 28, P < .01),
गणित (r = +.7269, df = 28, P < .01), कुल प्रामांक (r = +.9304, df = 28, P < .01) ये सभी .01 विकल्पन स्तर पर सार्थक हैं | अतः यह उपरिकल्पना पूर्णतः स्वीकृत
हुई।

5.2.3. सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध

Hr₃, विधार्थियों की सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध
प्राप्त होगा।

उपरोक्त परिकल्पना के परीक्षण हेतु 11 वीं एवं 12 वीं के कक्षा, वाणिज्य और
विज्ञान संकाय के (1) ग्रामीण छात्र (2) ग्रामीण छात्रा (3) ग्रामीण छात्राओं (4) ग्रामीण छात्राओं के
सामाजिक परिपक्वता तथा सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक की गणना की गई इस
परिकल्पना को $H_{r_{3.1}}$ से $H_{r_{3.12}}$ तक उपपरिकल्पनाओं में बांटा गया है।

$H_{r_{3.1}}$ - कला संकाय के शहीरे छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय के शहीरे छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.49, 5.50 में दर्शाया गया है।

तालिका ऋत्मांक 5.49

कला संकाय (XI) के शहीरे छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांबंधिक अस्तित्व</th>
<th>सांबंधिक डमन</th>
<th>सांबंधिक कुलसंबंध</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व होनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>वैश्विक परीक्षण</td>
<td>.2139*</td>
<td>.2861*</td>
<td>.3247*</td>
<td>.4536*</td>
<td>.3555**</td>
<td>.3815**</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अन्तर वै. परीक्षण</td>
<td>-.1936*</td>
<td>-.0224*</td>
<td>.0968*</td>
<td>.1587*</td>
<td>.1935*</td>
<td>.0150*</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>समाज. परीक्षण</td>
<td>.1445*</td>
<td>.2169*</td>
<td>.2564*</td>
<td>.5188*</td>
<td>.3190*</td>
<td>.3186*</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.1445*</td>
<td>.2169*</td>
<td>.2564*</td>
<td>.5188*</td>
<td>.3190*</td>
<td>.3186*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, * NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11वीं के शहीरे छात्रों के कुल सामाजिक परिपक्वता एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सांबंधक सहसंबंध नहीं है। अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा 11 के लिए अस्वीकृत है।
तालिका क्रमांक 5.50

कला संकाय (XII) के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांवेणिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेणिक दमन</th>
<th>सांवेणिक कुसमावोधन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>मेनुट्व्ह हीनता</th>
<th>कुल सांवेणिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक पर्यासता</td>
<td>.3106*</td>
<td>.2279*</td>
<td>.2593*</td>
<td>.3777**</td>
<td>.1938*</td>
<td>.3754**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर व्य. पर्यासता</td>
<td>.2346*</td>
<td>.3555**</td>
<td>.5385*</td>
<td>.3789**</td>
<td>.0732*</td>
<td>.4434**</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाज. पर्यासता</td>
<td>.2457*</td>
<td>.3006*</td>
<td>.5123*</td>
<td>.1944*</td>
<td>.0061*</td>
<td>.3532**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सांवेणिक परिपक्वता</td>
<td>.3452**</td>
<td>.2977*</td>
<td>.4016**</td>
<td>.3985**</td>
<td>.2135*</td>
<td>.4662*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, ** P < 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्रों के लिए कुल सांवेणिक परिपक्वता एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध \( r = .4662, P < .01 \) है अर्थात् धनात्मक सहसंबंध है। अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा 12 वीं के लिए स्वीकृत हुई।

\( Hr_{12} \) - कला संकाय के प्रामोण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध ग्राम्य होगा।

कला संकाय के प्रामोण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.51, 5.52 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.51

कला संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांवेणिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेणिक दमन</th>
<th>सामाजिक कुसमावोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांवेणिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक परिपक्वता</td>
<td>-.0814*</td>
<td>-.1941*</td>
<td>-.1299*</td>
<td>-.0059*</td>
<td>.1414*</td>
<td>-.1055*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परिपक्वता</td>
<td>-.2189*</td>
<td>-.2750*</td>
<td>-.0577*</td>
<td>.1131*</td>
<td>.3930**</td>
<td>.0782*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.1497*</td>
<td>-.3030*</td>
<td>.1860*</td>
<td>.2495*</td>
<td>.3222*</td>
<td>.0777*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.0015*</td>
<td>-.3875*</td>
<td>-.0441*</td>
<td>.1452*</td>
<td>.3215*</td>
<td>-.0351*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कक्षा 11 वीं के छात्रों के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है। अतः यह उपयोगिता कक्षा 11वीं के अस्तिकृत हुई।

### तालिका क्रमांक 5.52

कला संकाय (XII) के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांवेणिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेणिक दमन</th>
<th>सामाजिक कुसमावोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांवेणिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक परिपक्वता</td>
<td>.3092*</td>
<td>.1545*</td>
<td>.2909*</td>
<td>.1773*</td>
<td>.2082*</td>
<td>.3029*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परिपक्वता</td>
<td>.3984**</td>
<td>.3523**</td>
<td>.2357*</td>
<td>.3192*</td>
<td>.3380*</td>
<td>.4519*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.3355*</td>
<td>.3174*</td>
<td>.1530*</td>
<td>.4041**</td>
<td>.4913*</td>
<td>.4040**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.4679*</td>
<td>.4293**</td>
<td>.3663**</td>
<td>.3048*</td>
<td>.3895**</td>
<td>.4532*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, NS

(165)
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 के छात्रों के लिए सहसंबंध \( r = .4532 \), \( P < .01 \) उच्च धनात्मक है अतः यह उपररिल्यना कक्षा 12 वीं के लिए स्वीकृत हुई।

\( Hr_{1,3} \) - कक्षा संकाय के शहीरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कक्षा संकाय की शहीरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.53, 5.54 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.53

कक्षा संकाय (XI) की शहीरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>XI</th>
<th>सांवेदनिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेदनिक दमन</th>
<th>सांवेदनिक कुलभार</th>
<th>व्यक्तित्व विपलग</th>
<th>नेतृत्व होनाता</th>
<th>कुल सांवेदनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक पर्यावरण</td>
<td>.1912*</td>
<td>.1008*</td>
<td>-.1753*</td>
<td>.4052**</td>
<td>.3892**</td>
<td>.2881*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्यावरण</td>
<td>.0443*</td>
<td>-.0844*</td>
<td>-.1733*</td>
<td>.2646*</td>
<td>.3263*</td>
<td>.1023*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामान. पर्यावरण</td>
<td>.0386*</td>
<td>-.0829*</td>
<td>-.0856*</td>
<td>.0028*</td>
<td>.0485*</td>
<td>-.0246*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.2190*</td>
<td>-.2999*</td>
<td>-.2169*</td>
<td>-.2281*</td>
<td>-.1389*</td>
<td>-.2360*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*\( P < 0.01 \), **\( P < 0.05 \), *NS

तालिका से स्पष्ट है कक्षा 11 वीं के छात्रों के लिए कुल सामाजिक परिपक्वता एवं कुल सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं हैं। अतः उपररिल्यना कक्षा 11वीं के लिए अस्वीकृत हुई।
### तालिका क्रमांक 5.54

कला संकाय (XII) की जाहीर छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांबंधिक अभिव्यक्ति</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तिव्यवहार</th>
<th>नेतृत्व होनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक परिवार</td>
<td>.4074**</td>
<td>.3562**</td>
<td>.2962*</td>
<td>.3198*</td>
<td>.3879**</td>
<td>.4059**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परिवार</td>
<td>.5059*</td>
<td>.4539*</td>
<td>.3504**</td>
<td>.2860*</td>
<td>.4606*</td>
<td>.5047*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक परिवार</td>
<td>.3823**</td>
<td>.3658**</td>
<td>.3022*</td>
<td>.0616*</td>
<td>.4127**</td>
<td>.3746**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.4679*</td>
<td>.4412**</td>
<td>.3497**</td>
<td>.2453*</td>
<td>.4555*</td>
<td>.4733*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, *NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के लिए सहसंबंध $r = .4733$, $P < .01$ उच्च धनात्मक है अतः यह उपरिकुल्म नक्शा कक्षा 12 वीं के लिए स्वीकृत है।

$Hr_{34}$ - कला संकाय के ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

कला संकाय के ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.55, 5.56 में दर्शाया गया है।

### तालिका क्रमांक 5.55

कला संकाय (XI) के ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांबंधिक अभिव्यक्ति</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तिव्यवहार</th>
<th>नेतृत्व होनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक परिवार</td>
<td>.0884*</td>
<td>-.2073*</td>
<td>-.4388*</td>
<td>.0149*</td>
<td>-.1073*</td>
<td>-.1036*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परिवार</td>
<td>-.4388*</td>
<td>-.0213*</td>
<td>-.1663*</td>
<td>.0192*</td>
<td>.0220*</td>
<td>.1224*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक परिवार</td>
<td>-.3592*</td>
<td>.1270*</td>
<td>.1654*</td>
<td>.2672*</td>
<td>.1711*</td>
<td>.2972*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.0372*</td>
<td>-.2924*</td>
<td>.0089*</td>
<td>.2175*</td>
<td>-.0814*</td>
<td>-.2326*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, *NS
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं की छात्राओं के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है, अतः यह उपरिक्लिप्त अस्वीकृत है।

तालिका क्रमांक 5.56
कक्षा संकाय (XII) के ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांबंधिक अस्थिरता</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुलयोग्यता</th>
<th>व्यक्तित्व विधान</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैचित्र्यक परिपक्वता</td>
<td>.0638*</td>
<td>.0064*</td>
<td>.0032*</td>
<td>.2591*</td>
<td>.0669*</td>
<td>.0862*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परिपक्वता</td>
<td>-.1787*</td>
<td>-.0595*</td>
<td>.0474*</td>
<td>.1430*</td>
<td>.0148*</td>
<td>-.0241*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामा. परिपक्वता</td>
<td>-.5434*</td>
<td>-.4026*</td>
<td>-.3336*</td>
<td>-.1158*</td>
<td>-.4496*</td>
<td>-.4462*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.2454*</td>
<td>-.1588*</td>
<td>-.1429*</td>
<td>.2180*</td>
<td>-.1724*</td>
<td>-.1230*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं की छात्राओं के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है, अतः यह उपरिक्लिप्त अस्वीकृत है।

Hr₁₅ - वाणिज्य संकाय के झार्टी छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्रमाण होगा।

वाणिज्य संकाय के झार्टी छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.57, 5.58 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.57

वाणिज्य संकाय (XI) के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांवेदिक अस्थिथता</th>
<th>सांवेदिक दमन</th>
<th>सांवेदिक कुलसमयोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हिंसा</th>
<th>कुल सांवेदिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>वैचारिक पर्याप्तता</td>
<td>.4067**</td>
<td>.4966*</td>
<td>.5129*</td>
<td>.3624**</td>
<td>.5965*</td>
<td>.5748*</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अन्तर वै. पर्याप्तता</td>
<td>.6073*</td>
<td>.3743**</td>
<td>.5498*</td>
<td>.5327*</td>
<td>.5240*</td>
<td>.6051*</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>सामाय. पर्याप्तता</td>
<td>.3028*</td>
<td>.2067*</td>
<td>.3941**</td>
<td>.0814*</td>
<td>.3087*</td>
<td>.3141*</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.5008*</td>
<td>.4374**</td>
<td>.5948*</td>
<td>.3704**</td>
<td>.5813*</td>
<td>.5632*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P<0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध \( r = .5632, P < .01 \) उच्च धनात्मक है | अतः यह उपपरिकल्पना पूर्णतः स्वीकृत हुई।

### तालिका क्रमांक 5.58

वाणिज्य संकाय (XII) के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेदिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांवेदिक अस्थिथता</th>
<th>सांवेदिक दमन</th>
<th>सांवेदिक कुलसमयोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हिंसा</th>
<th>कुल सांवेदिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>वैचारिक पर्याप्तता</td>
<td>.2144*</td>
<td>.5419*</td>
<td>-.1053*</td>
<td>.3878**</td>
<td>.1197*</td>
<td>.3455**</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अन्तर वै. पर्याप्तता</td>
<td>.2886*</td>
<td>.4346**</td>
<td>.0996*</td>
<td>.5190*</td>
<td>.2381*</td>
<td>.3837**</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>सामाय. पर्याप्तता</td>
<td>-.0875*</td>
<td>.2789*</td>
<td>-.0559*</td>
<td>.4362**</td>
<td>.2217*</td>
<td>.2272*</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.1606*</td>
<td>.5699*</td>
<td>.0459*</td>
<td>.5754*</td>
<td>.2719*</td>
<td>.4305**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P<0.05, • NS
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वी के छात्रों के लिए सहसंबंध \( r = .4305, \)
\( P < .01 \) प्राम हुआ है जो .05 स्तर पर सार्थक है अतः यह उपपरिक्लया पूर्णतः स्वीकृत हुई है।

\( Hr_{36} \) - वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.59, 5.60 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.59

वाणिज्य संकाय (XI) के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांबंधिक अस्तिमता</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमायोजन</th>
<th>सांबंधिक विघटन</th>
<th>नेत्रत्व होनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक प्रयासता</td>
<td>.1408*</td>
<td>.2747*</td>
<td>.0058*</td>
<td>.1130*</td>
<td>.2902*</td>
<td>.2128*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. प्रयासता</td>
<td>.1196*</td>
<td>-.0076*</td>
<td>.1063*</td>
<td>.0057*</td>
<td>.3311*</td>
<td>.1304*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाज. परिपक्वता</td>
<td>-.1988*</td>
<td>.0922*</td>
<td>-.3458*</td>
<td>-.4078*</td>
<td>-.1801*</td>
<td>-.3528*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.3133*</td>
<td>.695*</td>
<td>.2601*</td>
<td>.5598*</td>
<td>.4281**</td>
<td>.4711*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

\*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वी के छात्रों के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध \( r = .4711, P < .01 \) उच्च धनात्मक है अतः यह उपपरिक्लया इन्के लिए स्वीकृत हुई है।
तालिका 5.60

वाणिज्य संकाय (XII) के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांबंधित अस्थिरता</th>
<th>सांबंधित दमन</th>
<th>सांबंधित कुलसामग्री</th>
<th>व्यक्तित्व विघट</th>
<th>नेतृत्व हिन्दी</th>
<th>कुल सांबंधित परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैकल्पिक पर्यावरण</td>
<td>.1833*</td>
<td>.0482*</td>
<td>-.0610*</td>
<td>-.05314*</td>
<td>.1154*</td>
<td>.008*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्यावरण</td>
<td>-.2762*</td>
<td>-.0988*</td>
<td>.1424*</td>
<td>.0508*</td>
<td>-.1440*</td>
<td>-.0956*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामान. पर्यावरण</td>
<td>.2331*</td>
<td>.2738*</td>
<td>.2277*</td>
<td>.0419*</td>
<td>.1979*</td>
<td>.2908*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सांबंधित परिपक्वता</td>
<td>.1886*</td>
<td>.2424*</td>
<td>.0532*</td>
<td>.1324*</td>
<td>.2828*</td>
<td>.2191*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, ** P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्रों के कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधित परिपक्वता के मध्य साथ सहसंबंध नहीं है, अतः यह परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

Hr,17  वाणिज्य संकाय के शहरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

वाणिज्य संकाय के शहरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.61, 5.62 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.61

वाणिज्य संकाय (XI) के ग्राहकों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>पं.</th>
<th>XI</th>
<th>सांस्कृतिक अस्तित्वता</th>
<th>सांस्कृतिक दमन</th>
<th>सांस्कृतिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तिव विपणन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांस्कृतिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैतनिक पर्यावरण</td>
<td>.5428*</td>
<td>.4272**</td>
<td>-.0296*</td>
<td>.5401*</td>
<td>-.1491*</td>
<td>.4676*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्यावरण</td>
<td>.0141</td>
<td>-.0062*</td>
<td>.1959*</td>
<td>.1100*</td>
<td>.0465*</td>
<td>.1164*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक पर्यावरण</td>
<td>.1316*</td>
<td>.3464*</td>
<td>.2091*</td>
<td>.2091*</td>
<td>.1531*</td>
<td>.3512**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.6215*</td>
<td>.4597**</td>
<td>.2520*</td>
<td>.5765*</td>
<td>.0772*</td>
<td>.6408*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, •NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांस्कृतिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध \( r = .6408, P < .01 \) अर्थात् यह उपयोगिता पूर्णतः स्वीकृत है।

### तालिका क्रमांक 5.62

वाणिज्य संकाय (XII) के ग्राहकों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>पं.</th>
<th>XII</th>
<th>सांस्कृतिक अस्तित्वता</th>
<th>सांस्कृतिक दमन</th>
<th>सांस्कृतिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तिव विपणन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांस्कृतिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैतनिक पर्यावरण</td>
<td>.4099*</td>
<td>.4372**</td>
<td>.2203*</td>
<td>.2694*</td>
<td>-.0818*</td>
<td>.3968**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्यावरण</td>
<td>.4932*</td>
<td>.2964*</td>
<td>.3416*</td>
<td>.5456*</td>
<td>.2722*</td>
<td>.4816*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक पर्यावरण</td>
<td>.2729*</td>
<td>.2026*</td>
<td>.0876*</td>
<td>.2263*</td>
<td>.0206*</td>
<td>.2355*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.4915*</td>
<td>.3238*</td>
<td>.1251*</td>
<td>.3402*</td>
<td>.0635*</td>
<td>.3775**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, •NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के लिए सहसंबंध \( r = .3775, P < .05 \) प्राप्त हुआ। अर्थात् यह उपयोगिता पूर्णतः स्वीकृत है।

(172)
वाणिज्य संकाय की ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

वाणिज्य संकाय के ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.63, 5.64 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.63
वाणिज्य संकाय (XI) की ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांबंधित अस्थिरता</th>
<th>सांबंधित दंसन</th>
<th>सांबंधित कुशलमयोत्सव</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांबंधित परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक पर्यावरण</td>
<td>.2569•</td>
<td>-.0089•</td>
<td>-.0389•</td>
<td>-.0211•</td>
<td>.0474•</td>
<td>.0745•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वे. पर्यावरण</td>
<td>.2536•</td>
<td>-.1002•</td>
<td>.0003•</td>
<td>.1181•</td>
<td>.3576**</td>
<td>.1925*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामा. पर्यावरण</td>
<td>.1719•</td>
<td>-.1252•</td>
<td>-.0825•</td>
<td>-.0938•</td>
<td>-.0195•</td>
<td>-.0345•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.2985•</td>
<td>-.0061•</td>
<td>-.0049•</td>
<td>.0470•</td>
<td>.0800•</td>
<td>-.0163•</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P<0.01, **P<0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्राओं के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध सार्थक नहीं है।

तालिका क्रमांक 5.64
वाणिज्य संकाय (XII) की ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधित परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांबंधित अस्थिरता</th>
<th>सांबंधित दंसन</th>
<th>सांबंधित कुशलमयोत्सव</th>
<th>व्यक्तित्व विघटन</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांबंधित परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैयक्तिक पर्यावरण</td>
<td>.5360•</td>
<td>.6675*</td>
<td>.7784*</td>
<td>.5973*</td>
<td>-.2384•</td>
<td>.6636*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वे. पर्यावरण</td>
<td>.2919•</td>
<td>.4023**</td>
<td>.5410*</td>
<td>.3478**</td>
<td>.0628•</td>
<td>.5744*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामा. पर्यावरण</td>
<td>.1959•</td>
<td>.1130•</td>
<td>.3513**</td>
<td>.3425•</td>
<td>-.1458•</td>
<td>.3803**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.4490**</td>
<td>.5313*</td>
<td>.6785*</td>
<td>.5129*</td>
<td>-.0896•</td>
<td>.6651*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P<0.01, **P<0.05, • NS
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के लिए सहसंबंध $r = .6651$, $P < .01$

ग्राम हुआ है अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा 12 वीं के लिए स्वीकृत हुई।

$H_{12}$ - विज्ञान संकाय के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध ग्राम होगा।

विज्ञान संकाय के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.65, 5.66 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.65

विज्ञान संकाय (XI) के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>विज्ञान संकाय (XI)</th>
<th>सांवेदनिक अन्तराल</th>
<th>सांवेदनिक दरम</th>
<th>सांवेदनिक कुलसंख्या</th>
<th>व्यक्तित्व विवरण</th>
<th>नेतृत्व अन्तराल</th>
<th>कुल सांवेदनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैनासिक परीक्षा</td>
<td>.5256*</td>
<td>-.2517*</td>
<td>.1580*</td>
<td>.4288**</td>
<td>.4764*</td>
<td>.3292*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परीक्षा</td>
<td>.4493*</td>
<td>-.0785*</td>
<td>-.0513*</td>
<td>.3504**</td>
<td>.3727**</td>
<td>.2763*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक परीक्षा</td>
<td>.2559*</td>
<td>-.1319*</td>
<td>.0151*</td>
<td>.2804*</td>
<td>.1053*</td>
<td>.0633*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.3917**</td>
<td>-.2695*</td>
<td>.0635*</td>
<td>.4213**</td>
<td>.3288*</td>
<td>.1586*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के कुल सामाजिक एवं कुल सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध सार्थक नहीं है। अतः कक्षा 11वीं के लिए यह उपपरिकल्पना अस्वीकृत हुई।
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के लिए सहसंबंध \( r = .6651 \), \( P < .01 \) प्राप्त हुआ है अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा 12 वीं के लिए स्वीकृत हुई।

\( Hr_{39} \) - विज्ञान संक्षेप के शाही पुत्रों के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

विज्ञान संक्षेप के शाही पुत्रों के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.65, 5.66 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.65

विज्ञान संक्षेप (XI) के शाही पुत्रों के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांवेदनिक अस्तित्व</th>
<th>सांवेदनिक दमन</th>
<th>सांवेदनिक कुलमार्गांजन</th>
<th>व्यक्तित्व विधान</th>
<th>गतिवृद्धि होनता</th>
<th>कुल सांवेदनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैपर्वीक परागिता</td>
<td>.5256*</td>
<td>-.2517*</td>
<td>.1580*</td>
<td>.4288**</td>
<td>.4764*</td>
<td>.3292*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. परागिता</td>
<td>.4493*</td>
<td>-.0785*</td>
<td>-.0513*</td>
<td>.3504**</td>
<td>.3727**</td>
<td>.2763*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाज. परागिता</td>
<td>.2559*</td>
<td>-.1319*</td>
<td>.0151*</td>
<td>.2804*</td>
<td>.1053*</td>
<td>.0633*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल लाभार्थी परिपक्वता</td>
<td>.3917**</td>
<td>-.2695*</td>
<td>.0635*</td>
<td>.4213**</td>
<td>.3288*</td>
<td>.1586*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*\( P < 0.01 \), **\( P < 0.05 \), NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के पुत्रों के गुणनांक सामाजिक एवं कुल सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध साध्य नहीं है। अतः कक्षा 11 के लिए यह उपपरिकल्पना अस्वीकृत हुई।

(174)
### तालिका क्रमांक 5.66

विज्ञान संकाय (XII) के शहरी छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांवेणिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेणिक दमन</th>
<th>सांवेणिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विधतन</th>
<th>नेत्रूत्व होमनता</th>
<th>कुल सांवेणिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैचारिक पर्याप्तता</td>
<td>.5058*</td>
<td>.4996*</td>
<td>-.0339*</td>
<td>.5764*</td>
<td>.2908*</td>
<td>.3615**</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्याप्तता</td>
<td>.6052*</td>
<td>.4575*</td>
<td>.0446*</td>
<td>.5888*</td>
<td>.3348*</td>
<td>.4743*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामा. पर्याप्तता</td>
<td>.3616**</td>
<td>.3148*</td>
<td>.0917*</td>
<td>.4776*</td>
<td>.2976*</td>
<td>.2805*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.5534*</td>
<td>.4532*</td>
<td>.0126*</td>
<td>.5894*</td>
<td>.3241*</td>
<td>.3971**</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, * NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 के लिए सहसंबंध r = .3971 प्राप्त हुआ है जो कि .05 स्तर पर सार्थक है अतः यह उपपरिकल्पना कक्षा 12 के लिए स्वीकृत है।

Hr3.10 — विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

विज्ञान संकाय के ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.67, 5.68 में दर्शाया गया है।

### तालिका क्रमांक 5.67

विज्ञान संकाय (XI) को ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांवेणिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XI</th>
<th>सांवेणिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेणिक दमन</th>
<th>सांवेणिक कुसमायोजन</th>
<th>व्यक्तित्व विधतन</th>
<th>नेत्रूत्व होमनता</th>
<th>कुल सांवेणिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैचारिक पर्याप्तता</td>
<td>-.0350*</td>
<td>.3307*</td>
<td>.0605*</td>
<td>-.1340*</td>
<td>.1183*</td>
<td>.2369*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्याप्तता</td>
<td>-.1907*</td>
<td>.3084*</td>
<td>.1145*</td>
<td>.0253*</td>
<td>.2232*</td>
<td>.1707*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामा. पर्याप्तता</td>
<td>-.2256*</td>
<td>-.0565*</td>
<td>-.2388*</td>
<td>.0540*</td>
<td>.1888*</td>
<td>-.0998*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.1448*</td>
<td>.2428*</td>
<td>-.0363*</td>
<td>-.0912*</td>
<td>.2203*</td>
<td>.1133*</td>
</tr>
</tbody>
</table>
तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्रों के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है अतः यह उपपरिक्त्वना अस्वीकृत हुई।

तालिका क्रमांक 5.68

विज्ञान संकाय (XII) को ग्रामीण छात्रों के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांबंधिक अस्थित्व</th>
<th>सांबंधिक दमन</th>
<th>सांबंधिक कुसमापणांग</th>
<th>ब्यक्तित्व विचयन</th>
<th>नेटव्य हीनता</th>
<th>कुल सांबंधिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैचारिक पर्यास</td>
<td>.1252•</td>
<td>.1012•</td>
<td>.3700**</td>
<td>.1934•</td>
<td>-.0067•</td>
<td>.2393•</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वै. पर्यास</td>
<td>.4513*</td>
<td>.1528•</td>
<td>.4147**</td>
<td>.4371**</td>
<td>.0624•</td>
<td>.4704*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामान. पर्यास</td>
<td>.0921•</td>
<td>.0156•</td>
<td>.3298•</td>
<td>.2038•</td>
<td>.0401•</td>
<td>.1822•</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>.1446•</td>
<td>.0715•</td>
<td>.2771•</td>
<td>.2294•</td>
<td>.0803•</td>
<td>.2088•</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्रों के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है अतः यह उपपरिक्त्वना अस्वीकृत हुई।

Hr_3.11 - विज्ञान संकाय की शहरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

विज्ञान संकाय के शहरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध को तालिका 5.69, 5.70 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.69

विज्ञान संकाय (XI) के शहरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांख्यिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>वैज्ञानिक परिपक्वता</th>
<th>सांख्यिक अवस्थिता</th>
<th>सांख्यिक दर</th>
<th>सांख्यिक कुलमात्रिक</th>
<th>व्यक्तिगत विवरण</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांख्यिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>.3055*</td>
<td>.2498*</td>
<td>.2211*</td>
<td>.5680*</td>
<td>.1670*</td>
<td>.4219**</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>.1893*</td>
<td>.0426*</td>
<td>.1555*</td>
<td>.4498**</td>
<td>.1041*</td>
<td>.2519*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>.1890*</td>
<td>.0835*</td>
<td>.0413*</td>
<td>.5605*</td>
<td>.0113*</td>
<td>.2288*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>.3152*</td>
<td>.2013*</td>
<td>.1684*</td>
<td>.6108*</td>
<td>.1582*</td>
<td>.4155**</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, ** P < 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्राओं के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांख्यिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध र = .4155, P < .05 जो कि .05 स्तर पर सार्थक है अतः यह उपरोक्तवत्ता कक्षा 11 वीं के लिए स्वीकृत है।

### तालिका क्रमांक 5.70

विज्ञान संकाय (XII) के शहरी छात्राओं के सामाजिक एवं सांख्यिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>वैज्ञानिक परिपक्वता</th>
<th>सांख्यिक अवस्थिता</th>
<th>सांख्यिक दर</th>
<th>सांख्यिक कुलमात्रिक</th>
<th>व्यक्तिगत विवरण</th>
<th>नेतृत्व हीनता</th>
<th>कुल सांख्यिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>.2568*</td>
<td>.1150*</td>
<td>.2999*</td>
<td>.3280*</td>
<td>.0679*</td>
<td>.2963*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>.2377*</td>
<td>-.0325*</td>
<td>.0390*</td>
<td>.0098*</td>
<td>-.0913*</td>
<td>.0661*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>-.0387*</td>
<td>-.0243*</td>
<td>-.0070*</td>
<td>-.6947*</td>
<td>-.2960*</td>
<td>-.0901*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>.2178*</td>
<td>.0504*</td>
<td>.1591*</td>
<td>.1607*</td>
<td>-.0845*</td>
<td>.1607*</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, ** P < 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्राओं के लिए कुल सामाजिक एवं
प्रत्येक सांख्यिक परिकल्पना के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं हैं अतः यह उपपरिन्यास कक्षा 12 वीं के लिए अस्फोकृत हुई है।

Hr_{12} विज्ञान संकाय की ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांख्यिक परिकल्पना के मध्य धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होगा।

विज्ञान संकाय की ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांख्यिक परिकल्पना के मध्य सहसंबंध का तालिक 5.71, 5.72 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.71

विज्ञान संकाय (X1) के ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांख्यिक परिकल्पना के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रं.</th>
<th>XI</th>
<th>सांख्यिक अतिरिक्त</th>
<th>सांख्यिक विस्तार</th>
<th>सांख्यिक कुलसम्बंधी</th>
<th>व्यवहार</th>
<th>नेतृत्व होना</th>
<th>कुल सांख्यिक परिकल्पना</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>वैज्ञानिक प्रवाहिता</td>
<td>.1527*</td>
<td>.1331*</td>
<td>.2241*</td>
<td>.4705*</td>
<td>.1535*</td>
<td>.2752*</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अन्तर वै. प्रवाहिता</td>
<td>-.0465*</td>
<td>-.0967*</td>
<td>.0080*</td>
<td>.1144*</td>
<td>.0574*</td>
<td>-.0072*</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>सामा. प्रवाहिता</td>
<td>.0791*</td>
<td>.1893*</td>
<td>.0345*</td>
<td>.2265*</td>
<td>.1374*</td>
<td>.1338*</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>कुल सांख्यिक परिकल्पना</td>
<td>.1449*</td>
<td>.1442*</td>
<td>.1752*</td>
<td>.3843**</td>
<td>.1566*</td>
<td>.2307*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P < 0.01, ** P< 0.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 11 वीं के छात्राओं के लिए कुल सांख्यिक एवं कुल सांख्यिक परिकल्पना के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है, अतः यह उपपरिन्यास 11वीं के लिए अस्फोकृत हुई।

(178)


## तालिका क्रमांक 5.72

विद्यानंत्र (XII) के शारीरिक छात्राओं के सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सहसंबंध गुणांक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>XII</th>
<th>सांवेदनिक अस्थिरता</th>
<th>सांवेदनिक दमन</th>
<th>सांवेदनिक कुसमार्गवान</th>
<th>व्यक्तित्व विपलन</th>
<th>नेतृत्व शक्ति</th>
<th>कुल सांवेदनिक परिपक्वता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैराग्यकर वर्गान्त्रा</td>
<td>-.0941*</td>
<td>.1756*</td>
<td>.0475*</td>
<td>.2077*</td>
<td>.0607*</td>
<td>.1004*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>अन्तर वे. वर्गान्त्रा</td>
<td>-.3857*</td>
<td>-.2202*</td>
<td>-.0651*</td>
<td>-.3297*</td>
<td>-.1473*</td>
<td>-.4015*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामू. पार्गान्त्रा</td>
<td>.0596*</td>
<td>.0789*</td>
<td>.2375*</td>
<td>.0665*</td>
<td>-.2352*</td>
<td>-.0384*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुल सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>-.0894*</td>
<td>.2076*</td>
<td>.1745*</td>
<td>.1798*</td>
<td>-.0274*</td>
<td>.0423*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

तालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12 वीं के छात्राओं के लिए कुल सामाजिक एवं कुल सांवेदनिक परिपक्वता के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है, अत: यह उपपरिकल्पना 12वीं के लिए अस्वीकृत हुई।

5.3.0. विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता में भिन्नता :-

विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता में भिन्नता का अध्ययन लिंग, परिवेश, कक्षा और परिपक्वता के आधार पर किया गया है। सामाजिक एवं सांवेदनिक परिपक्वता मापनों को न्यायिक पर प्रशासित कर उसका मूल्यांकन करके आकड़ों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन और टी मूल्य निकाला गया।
5.3.1. सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिपक्वता में लिंग के आधार पर मिलता :-

सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिपक्वता में लिंग के आधार पर मिलता को पुनः दो
भागों में विभाजित किया गया है।

(अ) (अन्तः परिवेश अन्तर लिंग भेद)

(ब) (अन्तर परिवेश अन्तः लिंग भेद)

(श) अन्तः परिवेश अन्तर लिंग भेद :-

इसके अतिरिक्त क्षा 11 वीं एवं 12 वीं के शहरी छात्र एवं छात्राओं तथा ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं के सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिपक्वता में मिलता का मापन दर्शन के आधार
पर अलग-अलग की गई है।

Hd4 - शहरी छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर प्राप्त
होना।

क्षा 11 वीं के शहरी परिवेश वाले छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता
में मिलता के लिए 90 छात्र एवं 90 छात्राओं को लिया गया। प्रामाणिक आकड़ों के मध्यमान, प्रामाणिक
विच्छेद और दर्शन यूनिवर्सल प्रामाणिक किया गया जो तालिका 5.73 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.73

कक्षा 11 वीं के शहरी छात्र एवं छात्राओं के सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Components of SMS</th>
<th>Urban शहरी</th>
<th>छात्र</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>छात्रावं</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>कार्य उन्मुक्तता</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>90</td>
<td>34.05</td>
<td>6.0</td>
<td>90</td>
<td>32.83</td>
<td>5.12</td>
<td>1.46</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>आत्म निर्देशन</td>
<td>Self Direction</td>
<td>90</td>
<td>25.05</td>
<td>3.0</td>
<td>90</td>
<td>24.48</td>
<td>4.37</td>
<td>0.78</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>प्रतिबंध योग्यता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>90</td>
<td>19.5</td>
<td>4.8</td>
<td>90</td>
<td>18.16</td>
<td>4.42</td>
<td>1.94</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>सम्बन्ध</td>
<td>Communication</td>
<td>90</td>
<td>32.05</td>
<td>5.61</td>
<td>90</td>
<td>31.5</td>
<td>5.12</td>
<td>0.68</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विवेक</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>90</td>
<td>26.16</td>
<td>4.15</td>
<td>90</td>
<td>24.44</td>
<td>4.56</td>
<td>2.64</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>90</td>
<td>24.27</td>
<td>3.89</td>
<td>90</td>
<td>24.72</td>
<td>3.06</td>
<td>0.86</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>सामाजिक स्वरूपता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>88.38</td>
<td>5.24</td>
<td>90</td>
<td>87.16</td>
<td>7.68</td>
<td>1.24</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>सामाजिक वाहन</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>90</td>
<td>34.38</td>
<td>3.78</td>
<td>90</td>
<td>34.27</td>
<td>4.68</td>
<td>0.17</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>90</td>
<td>29.27</td>
<td>4.84</td>
<td>90</td>
<td>28.38</td>
<td>4.77</td>
<td>1.24</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>10.</td>
<td>परिवर्तन का खुलासा</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>90</td>
<td>25.05</td>
<td>2.93</td>
<td>90</td>
<td>24.72</td>
<td>3.06</td>
<td>0.73</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>कुल ग्रामांक Total Score</td>
<td>90</td>
<td>249.5</td>
<td>21.03</td>
<td>90</td>
<td>242.61</td>
<td>17.78</td>
<td>2.37</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS
तालिका 5.73 से यह स्पष्ट है कि शहरी परिवेश में छात्रों के मध्यमान विश्वास और कुल सामाजिक परिपक्वता में छात्राओं से अधिक है। विश्वास में छात्रों का मध्यमान 26.16 तथा छात्राओं का 24.44 प्राम हुआ। इसके दौरान मान 2.64 है जो कि .01 स्तर के आवश्यक मान 2.60 से थोड़ा अधिक है। कुल सामाजिक परिपक्वता में छात्रों का मध्यमान 249.5 तथा छात्राओं का 242.61 प्राम हुआ जिसका दौरान मान 2.37 प्राम हुआ जो कि .05 स्तर के आवश्यक मान 1.97 से ज्यादा है अतः शहरी छात्रों एवं छात्राओं की कुल सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर है।

अर्थात् शहरी छात्र कुल सामाजिक परिपक्वता में छात्राओं से अधिक परिपक्व है। इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत हुई।
## तालिका क्रमांक 5.74

### कक्षा 12 वीं के शहरी छात्र एवं छात्राओं के सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>अंक</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता के घटक</th>
<th>Urban शहरी</th>
<th>छात्र</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>छात्राएँ</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अ</td>
<td>व्यक्तिक व्यावहारिकता</td>
<td>चाल उन्मुखता</td>
<td>90</td>
<td>78.83</td>
<td>11.55</td>
<td>90</td>
<td>76.72</td>
<td>8.54</td>
<td>1.39**</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>Work Orientation</td>
<td></td>
<td>34.38</td>
<td>8.22</td>
<td>90</td>
<td>33.05</td>
<td>4.88</td>
<td>1.31**</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>आत्मनिर्भरता</td>
<td>Self Direction</td>
<td>90</td>
<td>24.94</td>
<td>5.02</td>
<td>90</td>
<td>24.27</td>
<td>4.91</td>
<td>0.90*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>प्रतिकृत योग्यता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td></td>
<td>20.27</td>
<td>5.07</td>
<td>90</td>
<td>18.72</td>
<td>4.68</td>
<td>2.13**</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>अन्तर्व्यक्तिक परिपक्वता</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>83.83</td>
<td>9.72</td>
<td>90</td>
<td>81.38</td>
<td>7.91</td>
<td>1.85*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>सम्बन्धित्व</td>
<td>Communication</td>
<td>90</td>
<td>32.05</td>
<td>5.85</td>
<td>90</td>
<td>32.05</td>
<td>5.06</td>
<td>0.55*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>विज्ञान</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>90</td>
<td>26.05</td>
<td>4.56</td>
<td>90</td>
<td>25.16</td>
<td>3.78</td>
<td>1.42*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td></td>
<td>24.94</td>
<td>3.76</td>
<td>90</td>
<td>24.61</td>
<td>3.55</td>
<td>0.60*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>स</td>
<td>सामाजिक परिपक्वता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>87.5</td>
<td>10.66</td>
<td>90</td>
<td>88.61</td>
<td>7.84</td>
<td>0.79*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सामाजिक वाणिज्य</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>90</td>
<td>34.05</td>
<td>5.49</td>
<td>90</td>
<td>34.38</td>
<td>4.07</td>
<td>0.45*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>सामाजिक सहस्रोधीता</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>90</td>
<td>28.27</td>
<td>4.95</td>
<td>90</td>
<td>28.61</td>
<td>4.63</td>
<td>0.47*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>परिवर्तन का खुलासा</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>90</td>
<td>24.27</td>
<td>3.61</td>
<td>90</td>
<td>25.05</td>
<td>2.06</td>
<td>1.78*</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>कुल प्रामाण्य Total Score</td>
<td>90</td>
<td>247.83</td>
<td>23.81</td>
<td>90</td>
<td>251.38</td>
<td>14.29</td>
<td>1.21*</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS
कक्षा 12 की शहरी छात्र एवं छात्राओं के सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों पर कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए 90 छात्र एवं 90 छात्राओं को लिया गया जिसे तालिका 5.74 में दर्शाया गया है।

तालिका से स्पष्ट है कि शहरी छात्रों के प्रतिव बोधन का मध्यमान 20.27 छात्राओं के मध्यमान 18.72 से अधिक है इसके ती का मान 2.13 है जो कि .05 स्तर के आवश्यक मान 1.97 से अधिक है अतः प्रतिव बोधन में छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अंतर है।

अर्थात्:- शहरी छात्र प्रतिव बोधन में छात्राओं से अधिक है। अतः यह परिक्षण केवल प्रतिव बोधन के लिए स्वीकृत हुई तथा अन्य घटकों पर कुल सामाजिक परिपक्वता के लिए अस्वीकृत हुई।

Hd5 - ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

कक्षा 11 की ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए 90 छात्र एवं 90 छात्राओं को लिया गया। उनसे प्रामाणिक ऑंस्को का मध्यमान, ग्रामीण विचलन और दी मूल्य प्रामाणिक किया गया। जिसे तालिका 5.75 में दर्शाया गया है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Rural</th>
<th>ग्रामीण</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Components of SMS</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
</tr>
<tr>
<td>३.</td>
<td>वैश्विक पर्याप्तता</td>
<td>90</td>
<td>77.5</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>२.</td>
<td>कार्य उन्मुखता</td>
<td>90</td>
<td>33.5</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Work Orientation</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>१.</td>
<td>आत्मनिर्देशता</td>
<td>90</td>
<td>26.16</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Self Direction</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>३.</td>
<td>प्रतिकूल योग्यता</td>
<td>90</td>
<td>18.83</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>४.</td>
<td>अंतःवैश्विक पर्याप्तता</td>
<td>90</td>
<td>82.38</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>५.</td>
<td>संचालन</td>
<td>90</td>
<td>32.72</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Communication</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>६.</td>
<td>विच्छेद</td>
<td>90</td>
<td>25.83</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>७.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>90</td>
<td>24.5</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Co-operation</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>८.</td>
<td>सामाजिक पर्याप्तता</td>
<td>90</td>
<td>85.05</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>९.</td>
<td>सामाजिक वचन</td>
<td>90</td>
<td>30.05</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Commitment</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>१०.</td>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td>90</td>
<td>27.83</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Tolerance</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>११.</td>
<td>परिवर्तन का खुलासा</td>
<td>90</td>
<td>24.27</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Openness to Change</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>१२.</td>
<td>कुल ग्रामीण Total Score</td>
<td>90</td>
<td>245.16</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01,  **P < 0.05,  NS
सारणी से यह स्पष्ट है कि ग्रामीण परिवेश में छात्राओं के सहयोग, सामाजिक पर्यावरण और सामाजिक वाचन के मध्यमान 26.5, 88.72, 35.05 हैं जो छात्रों के क्रमांक मध्यमानों 24.05, 85.05, 30.05 से अधिक हैं यहां प्रामाण्य का मान क्रमांक: 4.01, 2.87, 2.87 हैं जो .01 के आवश्यक मान - 2.60 से अधिक है अतः यह स्पष्ट हैं कि इन तीनों घटकों के आधार पर छात्र पच हरे छात्राओं में सार्थक अंतर है।

अर्थात् - ग्रामीण परिवेश में छात्रायें सहयोग, सामाजिक पर्यावरण और सामाजिक वाचन में छात्रों से अधिक परिवेश हैं। तथा अन्य घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता के लिए यह परिकल्पना अस्तित्वकृत हुई।
लालिका क्रमांक 5.76
कक्षा 12 वीं के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>अर्थ</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Rural ग्रामीण</th>
<th>छात्र</th>
<th>छात्राएं</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>३</td>
<td>वैयक्तिक पर्याप्तता</td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>९०</td>
<td>७६.१६</td>
<td>८.९२</td>
</tr>
<tr>
<td>१.</td>
<td>कार्य उन्मुक्तता</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>९०</td>
<td>३२.२७</td>
<td>५.१३</td>
</tr>
<tr>
<td>२.</td>
<td>आत्म निर्भरता</td>
<td>Self Direction</td>
<td>९०</td>
<td>२४.८३</td>
<td>४.४२</td>
</tr>
<tr>
<td>३.</td>
<td>प्रतिकल योग्यता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>९०</td>
<td>१९.७२</td>
<td>४.९४</td>
</tr>
<tr>
<td>४.</td>
<td>आत्मवैयक्तिक पर्याप्तता</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>९०</td>
<td>८२.७२</td>
<td>८.८६</td>
</tr>
<tr>
<td>५.</td>
<td>सम्बन्धाय प्रभा</td>
<td>Communication</td>
<td>९०</td>
<td>३२.२७</td>
<td>५.१३</td>
</tr>
<tr>
<td>६.</td>
<td>विद्वानंस</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>९०</td>
<td>२६.७२</td>
<td>४.१८</td>
</tr>
<tr>
<td>७.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>९०</td>
<td>२३.९४</td>
<td>३.६८</td>
</tr>
<tr>
<td>५.</td>
<td>सामाजिक पर्याप्तता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>९०</td>
<td>८६.८३</td>
<td>८.१९</td>
</tr>
<tr>
<td>२.</td>
<td>सामाजिक वाणिज्य</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>९०</td>
<td>३३.६१</td>
<td>४.९२</td>
</tr>
<tr>
<td>२.</td>
<td>सामाजिक सहनश्रोतेन</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>९०</td>
<td>२८.५</td>
<td>५.०४</td>
</tr>
<tr>
<td>३.</td>
<td>परिवर्तन का खुलासा</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>९०</td>
<td>२४.०५</td>
<td>३.५२</td>
</tr>
<tr>
<td>२.</td>
<td>कुल प्रामाण्य Total Score</td>
<td>९०</td>
<td>२४६.२७</td>
<td>२०.१८</td>
<td>२४६.२७</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS
कक्षा 12 वीं के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता भिन्नता के लिए 90 छात्र एवं छात्राओं को लिया गया। उनसे प्रामाण्य आंकड़ों का मध्यमान, प्रमाणित विचलन और दूर मूल्य निकाला गया जिसे तालिका 5.76 में दर्शाया गया है।

सारणी से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्रों के अन्तर्वेत्तक पर्याप्तता और उनके दो उप घटकों समग्रण और विभवास के प्राम मध्यमान (क्रमशः 82.72, 32.27, 26.72) छात्राओं के मध्यमान 78.83, 30.05, 25.05 से अधिक है। इसके लिए दो - 2.93, 2.75, 2.86 प्राम हुआ जो कि सार्थकता स्तर .01 के आवश्यक मान 2.60 से थोड़ा अधिक है अतः इन घटकों में छात्र एवं छात्राओं में सार्थक मौंगर है। इत्यादि अन्य घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता के लिए यह परिस्थित अस्वीकृत हुई। अतः - ग्रामीण छात्रों की अन्तर्वेत्तक पर्याप्तता, छात्राओं से अधिक है।

हद 6 - शहरी छात्र एवं छात्राओं की सांवेदिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

कक्षा 11 वीं के शहरी छात्र एवं छात्राओं की सांवेदिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए 90 छात्र एवं 90 छात्राओं को लिया गया। इनसे प्रामाण्य आंकड़ों के मध्यमान, प्रमाणित चिलन और दूर मूल्य को तालिका 5.77 में दर्शाया गया है।

(188)
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांबंधित परिपक्वता मापनी के मार्गक</th>
<th>Urban शहरी</th>
<th>छात्र</th>
<th>छात्राएँ</th>
<th>(\text{N} )</th>
<th>(\text{M} )</th>
<th>(\text{SD} )</th>
<th>(\text{N} )</th>
<th>(\text{M} )</th>
<th>(\text{SD} )</th>
<th>(t) Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांबंधित अस्थिरता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>17.22</td>
<td>6.25</td>
<td>90</td>
<td>21.38</td>
<td>6.65</td>
<td>3.80*</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांबंधित दमन</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>19.27</td>
<td>6.76</td>
<td>90</td>
<td>19.83</td>
<td>6.80</td>
<td>0.55*</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Regression</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सांबंधित कुसमावहीनता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>17.27</td>
<td>5.65</td>
<td>90</td>
<td>18.05</td>
<td>5.49</td>
<td>0.93*</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विघटन</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>16.05</td>
<td>5.97</td>
<td>90</td>
<td>16.16</td>
<td>4.66</td>
<td>0.13*</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेन्तून्त्वहीनता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>14.38</td>
<td>5.74</td>
<td>90</td>
<td>16.61</td>
<td>3.14</td>
<td>3.23*</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Lack of Independence</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाणिक Total</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>83.61</td>
<td>21.0</td>
<td>90</td>
<td>88.61</td>
<td>22.73</td>
<td>1.53*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

\(\text{N} < 0.01, *\text{N} < 0.05, \cdot \text{NS}\)

तालिका से स्पष्ट है कि शहरी परिवेश में सांबंधित परिपक्वता के दो मार्गकों जैसे सांबंधित अस्थिरता और नेन्तून्त्वहीनता में छात्राओं के मध्यमान क्रमांक 21.38 और 16.61 हैं जो कि छात्राओं के मध्यमानों 17.72 और 14.38 से अधिक हैं | इनके दी - 3.80 (\text{P}<0.01) और 3.23 (\text{P}<0.01) हैं | अर्थात् इन दोनों मार्गकों में छात्र एवं छात्राओं में सांबंधित अंतर है। अर्थात् शहरी छात्राओं सांबंधित अस्थिरता और नेन्तून्त्वहीनता में छात्रों से कम परिपक्व हैं। इसलिए अन्य मार्गकों एवं कुल सांबंधित परिपक्वता के लिए यह परिस्थित अस्वीकृत हुई।

(अधिक माध्यमान अपरिपक्वता को दर्शाता है।)
### तालिका क्रमांक 5.78

कक्षा 12 वीं के जादुई छात्र एवं छात्राओं की सांबंधिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांबंधिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Urban घटरी</th>
<th>छात्र</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th></th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>t</th>
<th>Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांबंधिक अस्थिरता</td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td>90</td>
<td>18.94</td>
<td>6.35</td>
<td>90</td>
<td>21.27</td>
<td>6.49</td>
<td>2.43</td>
<td>**</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांबंधिक दमन</td>
<td>Emotional Regression</td>
<td>90</td>
<td>21.27</td>
<td>5.99</td>
<td>90</td>
<td>22.05</td>
<td>6.35</td>
<td>0.84</td>
<td>*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक कुलसमाप्ति</td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td>90</td>
<td>17.5</td>
<td>4.76</td>
<td>90</td>
<td>18.27</td>
<td>5.38</td>
<td>1.01</td>
<td>*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विकलन</td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td>90</td>
<td>17.61</td>
<td>5.68</td>
<td>90</td>
<td>16.72</td>
<td>5.74</td>
<td>1.04</td>
<td>*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्वविकलन</td>
<td>Lack of Independence</td>
<td>90</td>
<td>16.16</td>
<td>4.90</td>
<td>90</td>
<td>16.83</td>
<td>5.42</td>
<td>0.86</td>
<td>*</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल ग्रामांक</td>
<td>Total</td>
<td>90</td>
<td>91.05</td>
<td>19.06</td>
<td>90</td>
<td>94.5</td>
<td>19.43</td>
<td>1.20</td>
<td>*</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P< 0.05, • NS

कक्षा 12 वीं के जादुई छात्र एवं छात्राओं की सांबंधिक परिपक्वता में भिन्नता को तालिका 5.78 में दर्शाया गया है।

तालिका से स्पष्ट है कि सांबंधिक परिपक्वता के केवल एक घटक - सांबंधिक अस्थिरता में छात्राओं का मध्यमान 21.27 छात्रों के मध्यमान 18.94 से अधिक है; t = 2.43 (P<.05) है।

अर्थात् - जादुई छात्राओं सांबंधिक अस्थिरता में छात्रों से अधिक है; अन्य घटकों एवं कुल सांबंधिक परिपक्वता में सार्थक अंतर नहीं है। अतः यह परिक्षयना अस्वीकृत दुबूर।

H07 - ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांबंधिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

फक्शन 11 वीं के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांबंधिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए 90 छात्र एवं 90 छात्राओं को लिया गया; जिसे सामग्री 5.79 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.79

कक्षा 11 वीं के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांवेंगिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांवेंगिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रा.</th>
<th>सांवेंगिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Rural प्रामाण्य</th>
<th></th>
<th></th>
<th></th>
<th></th>
<th></th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Components of EMS</td>
<td>छात्र</td>
<td>छात्राएं</td>
<td>छात्र</td>
<td>छात्राएं</td>
<td>छात्र</td>
<td>छात्राएं</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांवेंगिक अस्थिरता</td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td>90</td>
<td>19.61</td>
<td>6.30</td>
<td>90</td>
<td>19.72</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांवेंगिक दमन</td>
<td>Emotional Regression</td>
<td>90</td>
<td>19.61</td>
<td>5.35</td>
<td>90</td>
<td>19.94</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक कुसमाजोतन</td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td>90</td>
<td>16.72</td>
<td>3.61</td>
<td>90</td>
<td>16.72</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विघटन</td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td>90</td>
<td>15.83</td>
<td>6.40</td>
<td>90</td>
<td>16.5</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्वदीपीता</td>
<td>Lack of Independence</td>
<td>90</td>
<td>14.27</td>
<td>5.12</td>
<td>90</td>
<td>14.61</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>Total</td>
<td>90</td>
<td>85.27</td>
<td>17.79</td>
<td>90</td>
<td>85.05</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

सारणी से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांवेंगिक परिपक्वता में सार्थक अंतर नहीं है।

अर्थात् - ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांवेंगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं है। अतः यह परिकल्पना अस्वीकृत है।
कक्षा 12 वीं के ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांवेदनिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांवेदनिक परिपक्वता में भिड़ता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांवेदनिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Rural ग्रामीण</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Components of EMS</td>
<td>छात्र</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>न</td>
<td>म</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांवेदनिक अस्थिरता</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांवेदनिक दमन</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Regression</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक कुसमायोजन</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विघटन</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्वहीनता</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Lack of Independence</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल ग्रामीण तालिका</td>
<td>90</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, • NS

कक्षा 12 वीं ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं के सांवेदनिक परिपक्वता में भिड़ता के लिए 90 छात्र एवं 90 छात्राओं को लिया गया। इसलिए ग्राम मध्यमान, प्रामाणिक विचलन और टी मूल्य को तालिका 5.80 में दर्ज किया गया है।

सारांश से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्रों के मध्यमान सभी 5 घटकों व कुल योग पर छात्राओं के मध्यमान से अधिक है। सांवेदनिक अस्थिरता में छात्रों का मध्यमान 21.83 छात्राओं के मध्यमान 19.83 से अधिक है टी = 2.13 (P < 0.05)। सांवेदनिक दमन में छात्रों का मध्यमान 22.72 छात्राओं के मध्यमान 19.38 से अधिक है टी = 3.77 (P < 0.01)। सामाजिक कुसमायोजन में छात्रों का मध्यमान 19.94 छात्राओं के मध्यमान 17.5 से अधिक है टी = 3.02 (P < 0.01)। व्यक्तित्व विघटन में छात्रों का मध्यमान 19.38 छात्राओं के मध्यमान 16.83 से अधिक है टी = 3.06 (P < 0.01)। नेतृत्वहीनता में छात्रों का मध्यमान 17.83 छात्राओं के मध्यमान 15.94 से.
अधिक है टी = 2.23 (P< 0.05) तथा कुल सांबंधिक परिपक्वता में छात्रों का मध्यमान 100.05 छात्राओं के मध्यमान 89.94 से अधिक है टी = 3.27 (P< 0.01)। अतः 12 वीं ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की सांबंधिक परिपक्वता में सार्थक अंतर है।

अर्थात् - ग्रामीण छात्र सांबंधिक परिपक्वता के सभी पांच घटकों तथा कुल सांबंधिक परिपक्वता में छात्राओं से कम परिपक्व है। अतः यह परिकल्पना पूर्णतः स्वीकृत हुई।

(अधिक मध्यमान अपरिपक्वता को दर्शाता है)

(ब) अन्तर्गत परिचाल अंत: लिंग भेद :-

इसके अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण छात्रों तथा शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में भिड़ता का मापन किया गया है।

Hd8- शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

कक्षा 11 वीं के शहरी एवं ग्रामीण छात्रों के सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल योग पर अंत: लिंग भेद के अध्ययन के लिए 90 छात्र शहरी तथा 90 छात्र ग्रामीण परिचाला से लिए गए है। इनसे प्राप्त आकड़ों के मध्यमान, प्रमाणिक विचलन और टी मूल्य को तालिका 5.81 में दर्शाया गया है।
### तालिका क्रमांक 5.81

कक्षा 11 वीं के शाहीर एवं ग्रामीण छात्रों की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Boys छात्र</th>
<th>ग्रामीण</th>
<th>शाहीर</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Components of SMS</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
<td>N</td>
</tr>
<tr>
<td>अ</td>
<td>वैयक्तिक परिस्थिति</td>
<td>90</td>
<td>77.5</td>
<td>8.96</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>कार्य उन्मुखता</td>
<td>90</td>
<td>33.5</td>
<td>5.20</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Work Orientation</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>आत्म निर्भरता</td>
<td>90</td>
<td>26.16</td>
<td>2.50</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Self Direction</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>प्रतिकूल दण्ड्यता</td>
<td>90</td>
<td>18.83</td>
<td>4.72</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>अन्तरवैयक्तिक परिस्थिति</td>
<td>90</td>
<td>82.38</td>
<td>6.86</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>संग्रहण</td>
<td>90</td>
<td>32.72</td>
<td>5.58</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Communication</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विश्वास</td>
<td>90</td>
<td>25.83</td>
<td>3.78</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>90</td>
<td>24.5</td>
<td>3.34</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Co-operation</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>स</td>
<td>सामाजिक परिस्थिति</td>
<td>90</td>
<td>85.05</td>
<td>8.42</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>सामाजिक बाध्यता</td>
<td>90</td>
<td>33.05</td>
<td>5.10</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Commitment</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td>90</td>
<td>27.83</td>
<td>4.53</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Tolerance</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>परिवर्तन का लुढ़कापन</td>
<td>90</td>
<td>24.27</td>
<td>3.28</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Openness to Change</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>कुल प्रामाण्य Total Score</td>
<td>90</td>
<td>245.16</td>
<td>19.48</td>
<td>90</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P<0.05, NS
तालिका से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्रों के मध्यमान केवल आत्मनिर्देशान में शहरी
छात्रों से अधिक है | ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 26.16 तथा शहरी छात्रों का 25.05 प्राम हुआ
इसके टी का मान 2.69 (P< 0.01) है जबकि शहरी छात्रों के मध्यमान सामाजिक पर्यावरण 88.38
वाचन 34.38 और सामाजिक सहनशीलता 29.27 में ग्रामीण छात्रों के मध्यमान सामाजिक
पर्यावरण 85.05 वाचन 33.05 सामाजिक सहनशीलता 27.83 से अधिक है | इनके प्राम
टी मूल्य अवशेष 3.18 (P< 0.01) 1.98 (P< 0.05) 2.06 (P< 0.05) है | अर्थात् इन तीनों घटकों
में शहरी और ग्रामीण छात्रों में साधारण अंतर है | अर्थात् शहरी छात्र सामाजिक सहनशीलता सामाजिक
वाचन और सामाजिक पर्यावरण में ग्रामीण छात्रों से अधिक परिपक्व है | अतः अन्य घटकों एवं कुल
सामाजिक परिपक्वता के लिए यह परिक्लया अस्तित्व है |

कक्षा 12 वीं के शहरी एवं ग्रामीण छात्रों के सामाजिक परिपक्वता में अंत: लिंग
भेद को तालिका 5.82 में दर्शाया गया है |
<table>
<thead>
<tr>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Components of SMS</th>
<th>ग्रामीण</th>
<th>शहरी</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>नैविकता पर्याप्तता</td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>N: 90, M: 76.16, SD: 8.92</td>
<td>N: 90, M: 78.83, SD: 11.55</td>
</tr>
<tr>
<td>कार्य उन्मुक्तता</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>N: 90, M: 32.27, SD: 5.13</td>
<td>N: 90, M: 34.38, SD: 8.22</td>
</tr>
<tr>
<td>आत्म निर्देशन</td>
<td>Self Direction</td>
<td>N: 90, M: 24.83, SD: 4.42</td>
<td>N: 90, M: 24.94, SD: 5.02</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रतिभागी योगदान</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>N: 90, M: 19.72, SD: 4.94</td>
<td>N: 90, M: 20.27, SD: 5.07</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्तर्वैविकता पर्याप्तता</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>N: 90, M: 82.72, SD: 8.86</td>
<td>N: 90, M: 83.83, SD: 9.72</td>
</tr>
<tr>
<td>संचार</td>
<td>Communication</td>
<td>N: 90, M: 32.27, SD: 5.13</td>
<td>N: 90, M: 32.05, SD: 5.85</td>
</tr>
<tr>
<td>विश्वास</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>N: 90, M: 26.72, SD: 4.18</td>
<td>N: 90, M: 26.05, SD: 4.56</td>
</tr>
<tr>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>N: 90, M: 23.94, SD: 3.68</td>
<td>N: 90, M: 24.94, SD: 3.76</td>
</tr>
<tr>
<td>सामाजिक पर्याप्तता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>N: 90, M: 86.83, SD: 8.19</td>
<td>N: 90, M: 87.5, SD: 10.66</td>
</tr>
<tr>
<td>सामाजिक साहस</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>N: 90, M: 33.61, SD: 4.92</td>
<td>N: 90, M: 34.05, SD: 5.49</td>
</tr>
<tr>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>N: 90, M: 28.5, SD: 5.04</td>
<td>N: 90, M: 28.27, SD: 4.95</td>
</tr>
<tr>
<td>परिवर्तन का खुलापन</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>N: 90, M: 24.05, SD: 3.52</td>
<td>N: 90, M: 24.27, SD: 3.61</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल ग्रामीण Total Score</td>
<td>N: 90, M: 246.27, SD: 20.18</td>
<td>N: 90, M: 247.83, SD: 23.81</td>
<td>t: 0.47</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P< 0.05, • NS
सारणी से देखा है कि शहरी छात्रों का मध्यमान कार्य उन्मुखता में 34.38 है जो कि ग्रामीण छात्रों के मध्यमान 32.27 से अधिक है। इसके भीतर का मान 2.06 (P< 0.05) है अर्थात् केवल इसी घटक में सार्थक अंतर है श्रेष्ठ अन्य घटकों में शहरी एवं ग्रामीण छात्रों में कोई अंतर नहीं है। अतः अन्य घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता के लिए यह परिक्षण अस्तित्व हुई। शहरी छात्र कार्य उन्मुखता में ग्रामीण छात्रों से अधिक परिपक्व है।

Hd9- शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

कक्षा 11 वीं के शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक परिपक्वता में अंत: लिंग भेद हेतु 90 छात्राएं शहरी एवं 90 छात्राएं ग्रामीण परिवेश से लिए गए हैं। इन्हें प्रामाण्य आकड़ों के मध्यमान, प्रमाणित विचलन और टी मूल्य को तालिका 5.83 में दर्शाया गया है।
कक्षा 11 वीं के शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Components of SMS</th>
<th>Girls छात्राएं</th>
<th>ग्रामीण</th>
<th>शहरी</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अ</td>
<td>वैयक्तिक पर्यायता</td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
<td>N</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>कार्य उम्मीदता</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>90</td>
<td>77.61</td>
<td>10.82</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>आत्म निर्देशन</td>
<td>Self Direction</td>
<td>90</td>
<td>33.61</td>
<td>5.35</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>प्रतिभा चिंता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>90</td>
<td>26.05</td>
<td>4.04</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>अन्तरवैयक्तिक पर्यायता</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>82.33</td>
<td>7.96</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>संवेदना</td>
<td>Communication</td>
<td>90</td>
<td>32.38</td>
<td>5.71</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विश्वास</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>90</td>
<td>26.27</td>
<td>3.72</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>90</td>
<td>26.5</td>
<td>3.34</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>स</td>
<td>सामाजिक पर्यायता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>88.72</td>
<td>8.69</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>सामाजिक बांधन</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>90</td>
<td>35.04</td>
<td>4.20</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>सामाजिक सहयोग</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>90</td>
<td>26.16</td>
<td>4.42</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>परिवर्तन का खुलासा</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>90</td>
<td>25.05</td>
<td>2.94</td>
<td>90</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>कुल ग्रामीण Total Score</td>
<td></td>
<td>90</td>
<td>249.27</td>
<td>23.0</td>
<td>90</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01, **P < 0.05, *NS
तालिका से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्राओं के मध्यमान विद्यासागर, सहयोग और कुल सामाजिक परिपक्वता में क्रमशः 26.27, 26.5 और 249.27 है जो कि शहरी छात्राओं के मध्यमान क्रमशः 24.44, 24.72 और 242.61 से अधिक है। इनसे प्राप्त दो मूल्य क्रमशः 2.95 (P<0.01), 3.72 (P<0.01) और 2.17 (P<0.05) है अर्थात् दो घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में ग्रामीण और शहरी छात्राओं में सार्थक अंतर है।

अर्थात् ग्रामीण छात्राओं विद्यासागर, सहयोग और कुल सामाजिक परिपक्वता में शहरी छात्राओं से अधिक परिपक्व है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत हुई।

कक्षा 12 वीं के शहरी और ग्रामीण छात्राओं के सामाजिक परिपक्वता के अंतः लिंग भेद को तालिका 5.84 में दर्शाया गया है।

(199)
कक्षा 12 वीं के शहरी पर ग्रामीण छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों के कुल सामाजिक परिपक्वता में भिड़ना

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Components of SMS</th>
<th>Girls छात्राएं</th>
<th></th>
<th></th>
<th></th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>वैश्विक धर्मता</td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>76.27</td>
<td>9.09</td>
<td>90</td>
<td>76.72</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>कार्य उन्मुक्तता</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>90</td>
<td>32.94</td>
<td>5.49</td>
<td>90</td>
<td>33.05</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>आत्म निर्भरता</td>
<td>Self Direction</td>
<td>90</td>
<td>24.94</td>
<td>4.79</td>
<td>90</td>
<td>24.27</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>प्रतिबंध सम्पर्कता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>90</td>
<td>18.38</td>
<td>4.57</td>
<td>90</td>
<td>18.72</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>वाणिज्यक</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>78.83</td>
<td>8.95</td>
<td>90</td>
<td>81.38</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सम्बन्ध वैश्विकता</td>
<td>Communication</td>
<td>90</td>
<td>30.05</td>
<td>5.87</td>
<td>90</td>
<td>32.05</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>विकास</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>90</td>
<td>25.05</td>
<td>3.63</td>
<td>90</td>
<td>25.16</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>90</td>
<td>24.05</td>
<td>3.52</td>
<td>90</td>
<td>24.61</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>सामाजिक क्षमा</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>90</td>
<td>84.94</td>
<td>8.73</td>
<td>90</td>
<td>88.61</td>
</tr>
<tr>
<td>10.</td>
<td>सामाजिक वाल्मुक्ति</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>90</td>
<td>33.38</td>
<td>4.64</td>
<td>90</td>
<td>34.38</td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>सामाजिक सहयोगीता</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>90</td>
<td>27.27</td>
<td>4.38</td>
<td>90</td>
<td>28.61</td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>परिवर्तन का स्वतंत्रता</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>90</td>
<td>23.94</td>
<td>4.24</td>
<td>90</td>
<td>25.05</td>
</tr>
<tr>
<td>13.</td>
<td>कुल ग्रामीण क्रमांक</td>
<td>Total Score</td>
<td>90</td>
<td>241.27</td>
<td>16.07</td>
<td>90</td>
<td>251.38</td>
</tr>
</tbody>
</table>

 forged P < 0.01. ** P < 0.05. • NS
तालिका से स्पष्ट है कि शहरी छात्राओं के मध्यमान अन्तर वैयक्तिक पर्यावरण,
सम्प्रेषण, सामाजिक पर्यावरण, सामाजिक, सहनशीलता, परिवर्तन का खुलासा और कुल सामाजिक
परिपक्वता में ग्रामीण छात्राओं से अधिक हैं। शहरी छात्राओं के मध्यमान क्रमशः 81.38, 32.05,
88.61, 28.61, 25.05, 251.38 तथा ग्रामीण छात्राओं के मध्यमान क्रमशः 78.83, 30.05, 84.94, 27
.27, 23.94, 24.27 हैं। इनके टी मूल्य क्रमशः 2.02 (P < 0.05), 2.49 (P < 0.05) 2.96
(P < 0.01), 1.99 (P < 0.05), 2.23 (P < 0.05), 4.47 (P < 0.01) प्राप्त हुए। अर्थात् इन छः घटकों में शहरी और ग्रामीण छात्राओं में साधक अंतर है।

शहरी छात्राओं अन्तर वैयक्तिक पर्यावरण, सम्प्रेषण, सामाजिक पर्यावरण, सामाजिक
सहनशीलता, परिवर्तन का खुलासा और कुल सामाजिक परिपक्वता में ग्रामीण छात्राओं से अधिक
परिपक्व है। तथा यह परिकल्पना स्वीकृत हुई।

Hd10 - शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की साधनवैज्ञानिक परिपक्वता में साधक अंतर होगा।

उपरोक्त परिकल्पना के परिक्षण हेतु कक्षा 11 की के 90 शहरी छात्रों एवं ग्रामीण
छात्रों को लिया गया। इनसे प्रामाण्य आकड़ों के मध्यमान, प्रमाणात्मक विचलन और टी मूल्य को तालिका
5.85 में दर्शाया गया है।
## तालिका क्रमांक 5.85

कक्षा 11 वीं के शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सांवेणिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांवेणिक परिपक्वता दर्शक</th>
<th>छात्र बयोजन</th>
<th>ग्रामीण</th>
<th>शहरी</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांवेणिक अस्थिरता</td>
<td>शांतिशीलता</td>
<td>90</td>
<td>19.61</td>
<td>6.30</td>
<td>90</td>
<td>17.72</td>
<td>6.25</td>
<td>2.02 **</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांवेणिक दमन</td>
<td>आनंदवशा</td>
<td>90</td>
<td>19.61</td>
<td>5.35</td>
<td>90</td>
<td>19.27</td>
<td>6.76</td>
<td>0.37</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सांवेणिक कुसमायोजन</td>
<td>समाजवादीत्व</td>
<td>90</td>
<td>16.72</td>
<td>3.61</td>
<td>90</td>
<td>17.27</td>
<td>5.65</td>
<td>0.77</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>लक्ष्यत्व विविधता</td>
<td>स्वभावविविधता</td>
<td>90</td>
<td>15.83</td>
<td>6.40</td>
<td>90</td>
<td>16.05</td>
<td>5.97</td>
<td>0.23</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व हीनता</td>
<td>विविधता</td>
<td>90</td>
<td>14.27</td>
<td>5.12</td>
<td>90</td>
<td>14.38</td>
<td>5.74</td>
<td>0.13</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रमाणक</td>
<td>कुल प्रतिभाग</td>
<td>90</td>
<td>85.27</td>
<td>17.79</td>
<td>90</td>
<td>83.61</td>
<td>21.0</td>
<td>0.57</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<.05, NS

तालिका से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्रों का मध्यमान सांवेणिक परिपक्वता के केवल एक घटक - सांवेणिक अस्थिरता में शहरी छात्रों के मध्यमान से अधिक है | ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 19.61 तथा शहरी छात्रों का 17.72 है | प्रमाण टी = 2.02 (P<.05) है | अर्थात् ग्रामीण छात्र सांवेणिक अस्थिरता में शहरी छात्रों से कम परिपक्व है | (अधिक मध्यमान अपरिपक्वता को दर्शाता है)

अतः अन्य घटकों एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए यह परिक्षण अस्फीलकृत हुई है।

कक्षा 12 वीं के शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता को तालिका 5.86 में दर्शाया गया है।

(202)
## तालिका क्रमांक 5.86

कक्षा 12 वी के शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सांबंधिक परीक्षा के विभिन्न घटकों एवं कुल सांबंधिक परीक्षा में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांबंधिक परीक्षा मापनी के घटक</th>
<th>चाचा Boys</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>ग्रामीण</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रम.</td>
<td>Components of EMS</td>
<td>N  M  SD</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांबंधिक अस्थिरता</td>
<td>90 21.83 6.57</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांबंधिक दम</td>
<td>90 22.72 5.96</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Regression</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक कुसमायोजन</td>
<td>90 19.94 5.98</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विघटन</td>
<td>90 19.38 6.28</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व होना</td>
<td>90 17.83 6.0</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Lack of Independece</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामांक</td>
<td>90 100.5 20.41</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<.05, • NS

सारणी से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्रों के मध्यमान 4 घटकों व कुल सांबंधिक परीक्षा में शहरी छात्रों के मध्यमान से अधिक हैं। सांबंधिक अस्थिरता में ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 21.83 शहरी छात्रों के मध्यमान 18.94 से अधिक है और मूल्य = 3.00 (P<0.01)। सामाजिक कुसमायोजन में ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 19.94 शहरी छात्रों के मध्यमान 17.5 से अधिक है और मूल्य = 3.02 (P< 0.01)। व्यक्तित्व विघटन में ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 19.38 शहरी छात्रों के मध्यमान 17.61 से अधिक है और मूल्य = 1.98 (P< 0.05)। नेतृत्व होना में ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 17.83 शहरी छात्रों के मध्यमान 16.16 से अधिक हैं और मूल्य = 2.04 (P< 0.05)। कुल सांबंधिक परीक्षा में ग्रामीण छात्रों का मध्यमान 100.5 शहरी छात्रों के मध्यमान 91.05 से अधिक है और मूल्य = 3.05 (P< 0.01)। अर्थात् ग्रामीण छात्राओं एवं शहरी छात्रों की सांबंधिक परीक्षा में सार्थक अंतर है।

ग्रामीण छात्र सांबंधिक अस्थिरता, सामाजिक कुसमायोजन, व्यक्तित्व विघटन, नेतृत्व होना तथा कुल सांबंधिक परीक्षा में शहरी छात्रों से कम परीक्षा है। अतः यह परिक्लया स्थिर हुई।

(203)
उपरोक्त परीक्षण के परिणाम दर्शाते कक्षा 11 वी के 90 शहरी एवं 90 ग्रामीण छात्राओं को लिया गया। उनसे प्रामाण्य आकड़ों के मध्यमान, प्रमाणिक विचलन और दी मूल्य को तालिका 5.87 में दर्शाया गया है।

### तालिका क्रमांक 5.87

कक्षा 11 वी के शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं की सांवेणिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>अंक</th>
<th>सांवेणिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>ग्रामीण Girls</th>
<th>शहरी Girls</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>N</th>
<th>M</th>
<th>SD</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>सांवेणिक अस्थिरता</td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td>90</td>
<td>19.72</td>
<td>6.38</td>
<td>90</td>
<td>21.38</td>
<td>6.65</td>
<td>1.70 *</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>सांवेणिक ब्याधि</td>
<td>Emotional Regression</td>
<td>90</td>
<td>19.94</td>
<td>5.40</td>
<td>90</td>
<td>19.83</td>
<td>6.80</td>
<td>0.120 *</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>सामाजिक कुसमायोजन</td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td>90</td>
<td>16.72</td>
<td>3.61</td>
<td>90</td>
<td>18.05</td>
<td>5.49</td>
<td>1.92 *</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>व्यक्तित्व विस्तार</td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td>90</td>
<td>16.5</td>
<td>5.38</td>
<td>90</td>
<td>16.16</td>
<td>4.66</td>
<td>0.453 *</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>नेतृत्व हीनता</td>
<td>Lack of Independece</td>
<td>90</td>
<td>14.61</td>
<td>5.30</td>
<td>90</td>
<td>16.61</td>
<td>3.14</td>
<td>3.08 *</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>कुल प्रामाणक</td>
<td>Total Score</td>
<td>90</td>
<td>85.05</td>
<td>19.82</td>
<td>90</td>
<td>88.61</td>
<td>22.73</td>
<td>1.11 *</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<.05,  • NS

तालिका से स्पष्ट है कि शहरी छात्राओं का मध्यमान नेतृत्व हीनता में 16.61 है जो कि ग्रामीण छात्राओं के मध्यमान 14.61 से अधिक है। दी मूल्य = 3.08 (P<.01) अन्य चार घटकों तथा कुल सांवेणिक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अतः नेतृत्व हीनता के अतिरिक्त अन्य घटकों एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए यह परीक्षण अज्ञातित हुई। अर्थात् शहरी छात्राएं नेतृत्व हीनता में ग्रामीण छात्राओं से कम परिपक्व हैं। (अधिक मध्यमान अपरिपक्वता को दर्शाता है)।

कक्षा 12 वी के शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं के सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता को तालिका 5.88 में दर्शाया गया है।

(204)
कक्षा 12 की शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं के सांवेदन्तिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांवेदन्तिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांवेदन्तिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>छात्राएं Girls</th>
<th>शहरी</th>
<th>ग्रामीण</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Components of EMS</td>
<td>न</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांवेदन्तिक अस्थित्ता</td>
<td>90</td>
<td>19.83</td>
<td>5.98</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांवेदन्तिक दमन</td>
<td>90</td>
<td>19.38</td>
<td>5.90</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Emotional Regression</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक कुसूमायोजन</td>
<td>90</td>
<td>17.5</td>
<td>4.76</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विच्छेदन</td>
<td>90</td>
<td>16.83</td>
<td>4.76</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व होनता</td>
<td>90</td>
<td>15.94</td>
<td>5.35</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Lack of Independance</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाणक</td>
<td>90</td>
<td>89.94</td>
<td>21.05</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Total Score</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<0.05, • NS

तालिका 5.88 से स्पष्ट है कि शहरी छात्राओं का मध्यमान केवल एक घटक - सांवेदन्तिक दमन में ग्रामीण छात्राओं का मध्यमान से अधिक है । शहरी छात्राओं का मध्यमान 22.05 तथा ग्रामीण छात्राओं का 19.38 है । दी मूल्य = 2.92 (P<.01) । अतः अन्य घटकों एवं कुल सांवेदन्तिक परिपक्वता में भिन्नता के लिए यह परिकल्पना आस्वीकृत हुई । शहरी छात्राओं सांवेदन्तिक दमन में ग्रामीण छात्राओं से कम परिपक्व है ।

5.3.2 सामाजिक एवं सांवेदन्तिक परिपक्वता में परिवेश के आधार पर भिन्नता

इसके अंतर्गत कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांवेदन्तिक परिपक्वता में भिन्नता का मापन अलग - अलग किया गया है ।

Hd12 शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

उपरोक्त परिकल्पना के परीक्षण हेतु कक्षा 11 वीं के 180 शहरी विद्यार्थियों तथा 180 ग्रामीण विद्यार्थियों की लिया गया । उन्हें प्राम आकड़ों के मध्यमान, प्रामाणिक विचरण तथा
## तालिका 5.89

### कक्षा XI के शहीद एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>कक्षा XI</th>
<th>ग्रामीण विद्यार्थी</th>
<th>शहीद विद्यार्थी</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अ</td>
<td>वैष्णविक परिपक्वता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>77.55</td>
<td>9.92</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>कार्य उन्मुक्तता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Work Orientation</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>35.33</td>
<td>5.67</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>आत्म निर्देशन</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Self' Direction</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>25.61</td>
<td>4.08</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>प्रतिलक्ष्य प्रभावीता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>19.05</td>
<td>5.01</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>अन्तर्वैष्णविक परिपक्वता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>82.88</td>
<td>7.55</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>सम्प्रेषण</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Communication</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>32.55</td>
<td>5.64</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विश्वास</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>26.05</td>
<td>3.75</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सहयोग</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Co-operation</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>24.5</td>
<td>3.34</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>च</td>
<td>सामाजिक परिपक्वता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>86.88</td>
<td>8.74</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>सामाजिक वांचन</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Commitment</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>34.05</td>
<td>4.72</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Social Tolerance</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>28.0</td>
<td>4.45</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>परिवर्तन का खुलापन</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Openness to Change</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>24.66</td>
<td>3.14</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>कुल प्रामाणीक Total Score</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>180</td>
<td>247.22</td>
<td>21.44</td>
<td>180</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<.05,  • NS
सारणी से स्पष्ट है कि परिवेश के आधार पर कक्षा 11 वीं के ग्रामीण विद्यार्थियों के मध्यमान केवल 2 घटकों कार्यउन्मुखता व आत्मनिर्देशन में शहरी विद्यार्थियों से अधिक है।
कार्यउन्मुखता टी = 3.17 (P<.01) तथा आत्मनिर्देशन टी = 2.26 (P<.01)।

अर्थात् ग्रामीण विद्यार्थी कार्यउन्मुखता तथा आत्मनिर्देशन में शहरी विद्यार्थियों से अधिक परिपक्व है। दूसरे अन्य घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भी क्रमता के लिए यह परिक्षण अस्वीकृत हुई।

कक्षा 12 वीं के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता में परिवेश के आधार पर भिन्नता को तालिका 5.90 में दर्शाया गया है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>Rank</th>
<th>Components of SMS</th>
<th>Class XII</th>
<th>Gramin Vidhik</th>
<th>Shari Vidhik</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
<td>N</td>
</tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>180</td>
<td>76.22</td>
<td>8.82</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>180</td>
<td>32.61</td>
<td>5.32</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>Self Direction</td>
<td>180</td>
<td>24.88</td>
<td>4.61</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>180</td>
<td>19.05</td>
<td>4.78</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>180</td>
<td>80.77</td>
<td>9.09</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>Communication</td>
<td>180</td>
<td>31.16</td>
<td>5.48</td>
<td>180/0</td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>180</td>
<td>25.88</td>
<td>3.99</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>Co-operation</td>
<td>180</td>
<td>24.00</td>
<td>3.57</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>9</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>180</td>
<td>85.88</td>
<td>8.52</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>10</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>180</td>
<td>33.5</td>
<td>4.76</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>11</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>180</td>
<td>27.88</td>
<td>4.75</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>12</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>180</td>
<td>24.0</td>
<td>3.86</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>13</td>
<td>Total Score</td>
<td>180</td>
<td>240.61</td>
<td>20.97</td>
<td>180</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P < 0.01, **P < 0.05,  * NS
कक्षा 12 वीं के शहरी विद्यार्थियों के मध्यमान 4 घटकों तथा कुल प्रामांक में ग्रामीण विद्यार्थियों से अर्धक है। 1) अन्तर्व्यक्तिक पर्यावरण दी = 1.99 (P<0.05) 2) सम्प्रभृत्य कोण दी = 2.01 (P<0.05) 3) सहयोगी दी = 2.02 (P<0.05) 4) सामाजिक पर्यावरण दी = 2.29 (P<0.05) तथा कुल प्रामांक दी = 3.10 (P<0.01)

अर्थात् शहरी विद्यार्थियों की कुल सामाजिक परिपक्वता, अन्तर्व्यक्तिक पर्यावरण, सम्प्रभृत्य सहयोगी एवं सामाजिक पर्यावरण ग्रामीण विद्यार्थियों से उच्च है। अतः यह परिलक्षण स्वीकृत है।

Hd13 - शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांवेदनिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

उपरोक्त परिलक्षण के फ़ौजिक हेतु 11 वीं के 180 शहरी विद्यार्थियों तथा 180 ग्रामीण विद्यार्थियों को नियोग गया। उनसे प्रामाण्य आकड़ों का मध्यमान, प्रमाणित विचलन और टी मूल्य तालिका को मांगने 5.91 में दर्शाया गया है।
## तालिका क्रमांक 5.91

कक्षा XI वों के शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांविक विरोधकता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांविक विरोधकता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांविक विरोधकता मापनी के घटक</th>
<th>Component of EMS</th>
<th>कक्षा XII</th>
<th>ग्रामीण विद्यार्थी</th>
<th>शहरी विद्यार्थी</th>
<th>$t$ Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांविक अस्थिरता</td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td>180</td>
<td>19.66</td>
<td>6.31</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांविक दमन</td>
<td>Emotional Regression</td>
<td>180</td>
<td>19.77</td>
<td>5.38</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सांविक कुलसमावयन</td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td>180</td>
<td>16.72</td>
<td>3.59</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विघटन</td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td>180</td>
<td>16.16</td>
<td>5.92</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व होना</td>
<td>Lack of Independece</td>
<td>180</td>
<td>14.44</td>
<td>5.21</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामाण्य</td>
<td>Total Score</td>
<td>180</td>
<td>85.16</td>
<td>18.82</td>
<td>180</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* $P<0.01$, **$P<.05$,  • NS

तालिका से स्पष्ट है कि शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांविक विरोधकता के विभिन्न घटकों तथा कुल प्रामाण्य में कोई सार्थक अंतर नहीं है | अर्थात् सांविक विरोधकता पर परिवेश का प्रभाव नहीं पड़ता है।

शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांविक विरोधकता समान है | अतः यह परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

कक्षा 12 वों के शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांविक विरोधकता में भिन्नता की तालिका क्र. 5.92 में दर्शाया गया है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांबंधिक परिपक्वता</th>
<th>कक्षा XII</th>
<th>कक्षा XII</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>भारी के घटक</td>
<td>ग्रामीण विद्यार्थी</td>
<td>शहरी विद्यार्थी</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Components of EMS</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांबंधिक अस्थिरता</td>
<td>Emotional Unstability</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांबंधिक दमन</td>
<td>Emotional Regression</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>शासकिक कुसमाचयोजन</td>
<td>Social Maladjustment</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विभंत</td>
<td>Personality Disintegration</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व हिंसता</td>
<td>Lack of Independence</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल ग्रामीण</td>
<td>Total Score</td>
<td>180</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<0.05,  • NS

तालिका से रूपांतरित है कि शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांबंधिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल ग्रामीण में कोई सार्थक अंतर नहीं है | शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की सांबंधिक परिपक्वता समान है | अतः यह परिलक्षणा असच्चित हुई | तालिका 5.93 में दिखाया गया है |

5.3.3 सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में शैक्षिक स्तर के आधार पर सार्थकता:--

इसके अन्तर्गत कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता में मित्रता का मापन किया गया है |

Hd14 कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा |

इस परिलक्षण के परीक्षण हेतु 11 वीं के 180 शहरी विद्यार्थी और 12 वीं के 180 शहरी विद्यार्थी लिये गये | उनसे प्रामाण्य आकड़ों का साल्विव्यय विद्वत्व करके मध्यमान, प्रमाणिक विविधता और दी मूल्य प्रामाण्य किया गया जो कि तालिका 5.93 में दर्जा गया है |
कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के शहरी विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सामाजिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>Components of SMS</th>
<th>शहरी Urban कक्षा XI</th>
<th>कक्षा XII</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अ</td>
<td>वैयक्तिक पर्याप्तता</td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>N 180 M 76.94 SD 10.06</td>
<td>N 180 M 77.77 SD 10.21</td>
<td>0.77*</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>कार्य उन्मुक्तता</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>N 180 M 33.44 SD 5.64</td>
<td>N 180 M 33.38 SD 5.57</td>
<td>0.10*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>आत्म निर्देशन</td>
<td>Self Direction</td>
<td>N 180 M 24.55 SD 4.79</td>
<td>N 180 M 24.61 SD 4.97</td>
<td>0.11*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>प्रतिलोम योग्यता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>N 180 M 18.83 SD 4.71</td>
<td>N 180 M 19.5 SD 4.89</td>
<td>1.32*</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>अंतःवैयक्तिक पर्याप्तता</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td>N 180 M 81.5 SD 7.78</td>
<td>N 180 M 82.66 SD 8.89</td>
<td>1.31*</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>सम्मेध्य</td>
<td>Communication</td>
<td>N 180 M 31.77 SD 5.37</td>
<td>N 180 M 32.33 SD 5.52</td>
<td>0.97*</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>विद्वान</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>N 180 M 25.55 SD 4.40</td>
<td>N 180 M 25.61 SD 4.21</td>
<td>0.13*</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>N 180 M 24.5 SD 3.51</td>
<td>N 180 M 24.77 SD 3.65</td>
<td>0.71*</td>
</tr>
<tr>
<td>स</td>
<td>सामाजिक पर्याप्तता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td>N 180 M 86.72 SD 7.64</td>
<td>N 180 M 88.05 SD 9.37</td>
<td>1.47*</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>सामाजिक वास्तव</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>N 180 M 34.33 SD 4.24</td>
<td>N 180 M 34.22 SD 4.83</td>
<td>0.22*</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>N 180 M 28.83 SD 4.83</td>
<td>N 180 M 28.44 SD 4.79</td>
<td>0.76*</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>परिवर्तन का खुलापन</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>N 180 M 24.88 SD 3.01</td>
<td>N 180 M 24.66 SD 2.95</td>
<td>0.70*</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>कुल प्रामाण्य Total Score</td>
<td></td>
<td>N 180 M 245.05 SD 19.63</td>
<td>N 180 M 247.94 SD 23.67</td>
<td>1.26*</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01. **P<.05.  • NS
तालिका से स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्र में 11 वीं तथा 12 वीं के विद्यार्थियों में सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों तथा कुल प्रमाण में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अर्थात् कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के शहरी विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता समान है। अतः यह परिपक्वता अस्वीकृत है।

कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के ग्रामीण विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता में भिड़ता के परीक्षण हेतु 11 वीं के 180 ग्रामीण तथा 12 वीं के 180 ग्रामीण विद्यार्थियों को लिया गया। उनसे प्रामाणिक आकड़ों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन और टी मूल्य प्राप्त किया गया। जिसे तालिका 5.94 में दर्शाया गया है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>श्रेणी</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक</th>
<th>कक्षा XI</th>
<th>कक्षा XII</th>
<th>t Value</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>Components of SMS</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
</tr>
<tr>
<td>अ</td>
<td>वैयक्तिक पर्याप्तता</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Personal Adequacy</td>
<td>180</td>
<td>77.55</td>
<td>9.92</td>
</tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>कार्य उन्मूलन</td>
<td>Work Orientation</td>
<td>180</td>
<td>35.33</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>आत्म निर्देशन</td>
<td>Self Direction</td>
<td>180</td>
<td>25.61</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>प्रतिक्रियायोग्यता</td>
<td>Ability to take Stress</td>
<td>180</td>
<td>19.05</td>
</tr>
<tr>
<td>ब</td>
<td>आन्तरवैयक्तिक पर्याप्तता</td>
<td>Interpersonal Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>सम्बन्ध</td>
<td>Communication</td>
<td>180</td>
<td>32.55</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>विभवास</td>
<td>Enlightened Trust</td>
<td>180</td>
<td>26.05</td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>सहयोग</td>
<td>Co-operation</td>
<td>180</td>
<td>24.5</td>
</tr>
<tr>
<td>स</td>
<td>सामाजिक पर्याप्तता</td>
<td>Social Adequacy</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td>सामाजिक वांछन</td>
<td>Social Commitment</td>
<td>180</td>
<td>34.05</td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>सामाजिक सहनशीलता</td>
<td>Social Tolerance</td>
<td>180</td>
<td>28.0</td>
</tr>
<tr>
<td>9</td>
<td>पितवित्त का खुलासन</td>
<td>Openness to Change</td>
<td>180</td>
<td>24.66</td>
</tr>
<tr>
<td>द</td>
<td>कुल प्रामाण्यक</td>
<td>Total Score</td>
<td>180</td>
<td>247.22</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<0.05, • NS
सारणी से स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्र में 11 वीं के विचारधिकारियों की कार्य उनमुखता,
अन्तर्व्यक्तिक पर्यास सम्प्रेषण कुल प्रामांक के मध्यमान 12 वीं के विचारधिकारियों से अधिक है।
कार्यउन्मुखता के लिए टी = 4.69 (P< 0.01) अन्तर्व्यक्तिक पर्यास सम्प्रेषण के लिए टी = 2.39
(P< 0.05) सम्प्रेषण के लिए टी = 2.37 (P< 0.05) तथा कुल प्रामांक के लिए टी = 2.95
(P< 0.01) प्राम हुआ। अतः इन लीपी घटकों तथा कुल प्रामांक में 11 वीं तथा 12 वीं के विचारधिकारियों में सार्थक अंतर है।

अर्थात 11 वीं के ग्रामीण विचारधिकारी कार्य उनमुखता, अन्तर्व्यक्तिक पर्यास सम्प्रेषण और कुल सामाजिक परिपक्वता में 12 वीं के ग्रामीण विचारधिकारियों से अधिक परिपक्व है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत हुई।

Hd15 — कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के विचारधिकारियों की सांबंधित परिपक्वता में सार्थक अंतर होगा।

उपरोक्त परिकल्पना के परीक्षण हेतु शहिर श्रेणी के 180 कक्षा 11 वीं के विचारधिकारियों
तथा 180 कक्षा 12 वीं के विचारधिकारियों को लिया गया। उनसे प्राम आकड़ों का प्रमाणित विचलन
और टी मूल्य तालिका 5.95 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 5.95

कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के शहिरी विचारधिकारी की सांबंधित परिपक्वता के
भिन्न घटकों एवं कुल सांबंधित परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सामाजिक परिपक्वता मापनी के घटक Components of EMS</th>
<th>शहिरी Urban</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>कक्षा XI</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>N M SD N M SD t Value</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांबंधित अस्थिरता Emotional Unstability</td>
<td>180 19.0 7.02 180 20.11 6.52 1.55 *</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांबंधित दमनी Emotional Regression</td>
<td>180 19.5 6.80 180 21.66 6.17 3.15 *</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सामाजिक कुस्मामयोजन Social Maladjustment</td>
<td>180 17.66 5.60 180 17.88 5.09 0.39 *</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विचलन Personality Disintegration</td>
<td>180 16.11 4.84 180 17.16 5.72 1.88 *</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व हीनता Lack of Independence</td>
<td>180 14.66 3.05 180 16.5 5.17 4.11 *</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्रामांक Total Score</td>
<td>180 86.11 22.03 180 93.27 19.63 3.25 *</td>
</tr>
</tbody>
</table>
लालिका से स्पष्ट है कि कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के मध्यम सांवेणिक परिपक्वता की दो घटकों सांवेणिक दमन, नेतृत्व हीनता और कुल प्राप्तांको में 11वीं के विद्यार्थियों से अधिक है। इससे प्राप्त टी मूल्य सांवेणिक दमन टी = 3.15 (P< 0.01) तथा नेतृत्व हीनता टी = 4.11 (P< 0.01) कुल प्राप्तांक टी = 3.25 (P< 0.01) है अर्थात् 12वीं के शहीरे विद्यार्थी 11वीं के शहीरे विद्यार्थियों से कम परिपक्व है। अतः यह परिक्लय्या स्वीकृत हुई।

अर्थात् 12 वीं के शहीरे विद्यार्थी 11 वीं के शहीरे विद्यार्थियों से सांवेणिक रूप से अधिक अस्थिर है (अधिक मध्यम अस्थिरता को दर्शाता है।)

ग्रामीण क्षेत्र के कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों की सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता को तालिका 5.96 में दर्शाया गया है।

**तालिका ओमार 5.96**

कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं के ग्रामीण विद्यार्थियों की सांवेणिक परिपक्वता के विभिन्न घटकों एवं कुल सांवेणिक परिपक्वता में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>सांवेणिक परिपक्वता</th>
<th>ग्रामीण Rural</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>मापनी के घटक</td>
<td>कक्षा XI</td>
<td>कक्षा XII</td>
</tr>
<tr>
<td>Components of EMS</td>
<td>N</td>
<td>M</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सांवेणिक अस्थिरता</td>
<td>Emotional Unstability</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांवेणिक दमन</td>
<td>Emotional Regression</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>सांवेणिक कुक्तमायमेजन</td>
<td>Social Maladjustment</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>व्यक्तित्व विघटन</td>
<td>Personality Disintegration</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नेतृत्व हीनता</td>
<td>Lack of Independent</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>कुल प्राप्तांक</td>
<td>Total Score</td>
</tr>
</tbody>
</table>

* P< 0.01, **P<.05, NS
12 बी के प्रायोगिक विद्यार्थी 11 बी के प्रायोगिक विद्यार्थी से सांबंधित रूप से अधिक अस्थिर है। (अधिक मध्यम अस्थिरता को दर्शाता है।) अतः यह परिस्थिति स्वीकृत हुई।

5.3.4 परिपक्वता के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता :-

इसके अन्तर्गत भिन्नता को 2 भागों में विभाजित किया गया है।

(अ) उच्च सामाजिक परिपक्वता एवं निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थी

(ब) उच्च सांबंधित परिपक्वता एवं निम्न सांबंधित परिपक्वता वाले विद्यार्थी

(अ) उच्च सामाजिक परिपक्वता एवं निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थी :-

सामाजिक परिपक्वता में प्रामाण्यों को क्रमांकुस्त जमाने के अन्तर P<sub>75</sub> से ऊपर या 270 - 360 अंक वाले छात्रों को उच्च सामाजिक परिपक्वता वाले छात्रों की संख्या दी गयी। इसी प्रकार P<sub>25</sub> से नीचे या 90 -180 अंक पाने वाले छात्रों को निम्नतम सामाजिक परिपक्वता वाले छात्र कहा गया। और इन्हीं दोनों अंतिम छोटों के मध्य आने वाले छात्रों की विभिन्न विषयों के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना की गयी।

(ब) उच्च सांबंधित परिपक्वता एवं निम्न सांबंधित परिपक्वता वाले विद्यार्थी:-

सांबंधित परिपक्वता में प्रामाण्यों को क्रमांकुस्त जमाने के अन्तर P<sub>75</sub> से ऊपर या 107 - 240 अंक वाले विद्यार्थियों को निम्न सांबंधित परिपक्वता वाले विद्यार्थियों की संख्या दी गयी। तथा P<sub>25</sub> के नीचे या 50-80 अंक पाने वाले विद्यार्थियों को उच्च सांबंधित परिपक्वता वाले विद्यार्थी कहा गया। और इनके मध्य शैक्षिक उपलब्धि की तुलना की गयी।

(217)
उच्च सामाजिक एवं निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों के मध्य पायी जाने वाली शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर प्राप्त होगा।

तालिका क्रमांक 5.97
उच्च सामाजिक परिपक्वता एवं निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>शैक्षिक उपलब्धि</th>
<th>उच्च सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>निम्न सामाजिक परिपक्वता</th>
<th>उपलब्धि में भिन्नता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>N</td>
<td>M</td>
<td>SD</td>
</tr>
<tr>
<td>हिंदी</td>
<td>75</td>
<td>54.7</td>
<td>11.23</td>
</tr>
<tr>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>75</td>
<td>22.7</td>
<td>7.15</td>
</tr>
<tr>
<td>संस्कृत</td>
<td>75</td>
<td>32</td>
<td>8.45</td>
</tr>
<tr>
<td>गणित</td>
<td>75</td>
<td>46.6</td>
<td>16.89</td>
</tr>
<tr>
<td>विज्ञान</td>
<td>75</td>
<td>67.46</td>
<td>12.52</td>
</tr>
<tr>
<td>सा. विज्ञान</td>
<td>75</td>
<td>53.73</td>
<td>14.27</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>75</td>
<td>278.83</td>
<td>51.15</td>
</tr>
</tbody>
</table>

सारणी क्रमांक 5.97 से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों के विभिन्न विषयों तथा योग का मध्यम निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों के संगत मध्यमानों से अधिक है। उच्च सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों के हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान तथा योग के क्रमशः मध्यमान 54.7, 22.7, 32, 46.6, 67.46 53.73, 278.83 हैं जो कि निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों के मध्यमानों 47.73 19.2, 27.4, 33.26, 51.2 46.53 तथा 225.36 से अधिक हैं। इनके द्वारा मान 4.48, 3.82, 2.65, 5.39, 9.45, 4.18, 7.70 प्राप्त हुआ। सभी मान .01 स्तर पर सार्थक हैं। अतः स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक परिपक्वता एवं निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है। अथवा उच्च सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों के विभिन्न विषयों में उपलब्धि तथा कुल शैक्षिक उपलब्धि निम्न सामाजिक परिपक्वता वाले विद्यार्थियों से अधिक है। अतः यह परिलक्षण पूर्णतः स्वीकृत है।

(218)
उच्च सांबंत रूपकता एवं निम्न सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थियों के वैश्विक उपलभ्धि में सार्थक अंतर प्राप्त होगा।

तालिका क्रमांक 5.98

उच्च सांबंत रूपकता एवं निम्न सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थियों की वैश्विक उपलभ्धि में भिन्नता

<table>
<thead>
<tr>
<th>वैश्विक उपलभ्धि</th>
<th>उच्च सांबंत रूपकता</th>
<th>निम्न सांबंत रूपकता</th>
<th>उपलभ्धि में भिन्नता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>न</td>
<td>म</td>
<td>औसत</td>
<td>न</td>
</tr>
<tr>
<td>हिंदी</td>
<td>75</td>
<td>58.66</td>
<td>8.99</td>
</tr>
<tr>
<td>अंग्रेजी</td>
<td>75</td>
<td>24.93</td>
<td>7.96</td>
</tr>
<tr>
<td>संस्कृत</td>
<td>75</td>
<td>34.8</td>
<td>6.84</td>
</tr>
<tr>
<td>गणित</td>
<td>75</td>
<td>53.8</td>
<td>17.24</td>
</tr>
<tr>
<td>विज्ञान</td>
<td>75</td>
<td>70.26</td>
<td>12.50</td>
</tr>
<tr>
<td>सा. विज्ञान</td>
<td>75</td>
<td>58.53</td>
<td>12.68</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>75</td>
<td>299.13</td>
<td>48.68</td>
</tr>
</tbody>
</table>

सारणी 5.98 से स्पष्ट है कि उच्च सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थियों के सभी विषयों के तथा योग का मध्यमान मिन्न सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थियों के मध्यमानों से अधिक है। उच्च सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थिों का हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान एवं सा. विज्ञान तथा योग का मध्यमान क्रमशः 58.66, 24.93, 34.8, 53.8, 70.26, 58.53, 299.13 है जो कि निम्न सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थियों के क्रमशः मध्यमानों 46.26, 18.13, 24.86, 30.86, 53.4, 44.66, 218.6 से अधिक है। इनके ती के मान क्रमशः 8.92, 6.54, 8.86, 8.66, 9.17, 7.08, 11.81 प्राप्त हुआ। ये सभी .01 स्तर पर सार्थक हैं। अतः स्पष्ट है कि उच्च सांबंत रूपकता एवं निम्न सांबंत रूपकता वाले छात्रों की वैश्विक उपलभ्धि में सार्थक अंतर है।

अर्थाते, उच्च सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थिों की विभिन्न विषयों में उपलब्धि निम्न सांबंत रूपकता वाले विद्यार्थिों से अधिक है। अतः, यह परिस्थिति पूर्णतः स्वीकृत है।

(219)
5.4.0. विद्यार्थिक की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधात्मक परिपक्वता का प्रति-क्षेत्रमय फ़्लांगः।

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक एवं सांबंधिक परिपक्वता के मुख्य प्रभाव को देखने के लिए द्विदिशा विचरण विश्लेषण विधि से गणना की गई।

H118 - शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक परिपक्वता तथा सांबंधिक परिपक्वता दोनों का प्रभाव उल्लेखनीय रहेगा, परंतु सामाजिक परिपक्वता की अपेक्षा सांबंधिक परिपक्वता का प्रभाव अधिक उल्लेखनीय रहेगा।

तालिका क्रमांक 5.99

प्रायोगिक सारांश: विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक परिपक्वता एवं सांबंधिक परिपक्वता का प्रभाव

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.</th>
<th>चर</th>
<th>कग़ा</th>
<th>स्वतंत्रता</th>
<th>कग़ा</th>
<th>मूल्य</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>का योग</td>
<td>के अंश</td>
<td>का माध्य</td>
<td>F</td>
</tr>
<tr>
<td>(SS)</td>
<td>(DF)</td>
<td>(ms)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>सामाजिक परिपक्वता के मध्य</td>
<td>3753.917</td>
<td>1</td>
<td>3753.917</td>
<td>3.203*</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सांबंधिक परिपक्वता के मध्य</td>
<td>310353.155</td>
<td>1</td>
<td>310353.155</td>
<td>264.809*</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>अतःक्रिया सामाजिक परिपक्वता X सांबंधिक परिपक्वता</td>
<td>4795.942</td>
<td>1</td>
<td>4795.942</td>
<td>4.092**</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>समूह के मध्य</td>
<td>111339.025</td>
<td>95</td>
<td>1171.990</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>योग</td>
<td>430242.039</td>
<td>98</td>
<td>4392.720</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

*P < 0.01. **P < 0.05. • NS

उपरोक्त तालिका के अनुसार विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक परिपक्वता के प्रभाव के लिए प्राम F का मूल्य का मान 3.203 है जो कि .01 तथा .05 विश्वसनीयता स्तर पर आवश्यक मान से कम है। अतः सामाजिक परिपक्वता का स्वतंत्र प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि पर नहीं पड़ता है।

(220)
इन्हीं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सांबंधित परिपक्वता के प्रभाव के लिए
ग्राम ए मूल्य का मान 264.809 ग्राम हुआ जो कि .01 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक है। अतः
कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके सांबंधित परिपक्वता का प्रभाव
पड़ता है।

सामाजिक परिपक्वता तथा सांबंधित परिपक्वता अंतः क्रिया प्रभाव के लिए ए मूल
4.092 ग्राम हुआ जो कि .05 स्तर पर सार्थक है। अतः कहा जा सकता है कि सामाजिक तथा
सांबंधित परिपक्वता विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं, परंतु सांबंधित परिपक्वता
का प्रभाव अधिक पड़ता है। अतः यह परिकल्पना पूर्णतः स्वीकृत हुई।

***

(221)